हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 174 | देहरादून, मंगलवार, 02 जनवरी, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

मैं आपके बीच सैनिक के रूप में आता हूँ : मंत्री गणेश जोशी 3

मुख्यमंत्री धामी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय छात्रावास के भवन का किया उद्घाटन

छात्रावास के बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्रदान किये गणवेश और कंबल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 दिसंबर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने को नव वर्ष के अवसर पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावास कौलागढ़ के भवन का लोकार्पण किया। इस भवन का शिलान्यास पिछले वर्ष मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ही किया था। 04 करोड़ 09 लाख 40 हजार रूपये की लागत से बना यह भवन एक साल से कम समय में बनकर तैयार हुआ। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर इस छात्रावास के बच्चों को गणवेश पहनाये और कंबल भी प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने आवासीय छात्रावास का अवलोकन भी किया और बच्चों को छात्रावास में दी जा रही सुविधाओं का जायजा भी लिया।

छात्रावासों के निकटवर्ती 11 विद्यालयों का इंटर स्तर पर उच्चीकरण किये जाने की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पहले ही निर्देश दिये गये थे कि छात्रावासों में बच्चों को बेहतर गुणवत्ता के संसाधन उपलब्ध कराये जाएं। छात्रावास की बेहतर व्यवस्थाओं पर उन्होंने संतोष प्रकट किया। इस छात्रावास में 100 बच्चों के लिए आवासीय व्यवस्थाएं की गई है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि कमजोर, अपर्वंचित एवं साधन विहीन वर्ग की बेटियों की शिक्षा के लिए बनाये गये कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में खोले गये छात्रावासों एवं नेताजी सुभाषचन्द्र बोस छात्रावास के निकटवर्ती 11 विद्यालयों का इंटर स्तर पर उच्चीकरण भी किया जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नये वर्ष की शुरूआत में बच्चों के बीच आकर उन्हें सुखद अनुभव हुआ है। पिछले वर्ष 02 जनवरी 2023 को इसी विद्यालय के परिसर से मुख्यमंत्री द्वारा राजकीय बालिका इण्टर कालेज कौलागढ़ के मुख्य भवन एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास झड़ीपानी का लोकार्पण और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास कौलागढ़ का भी शिलान्यास किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस छात्रावास भवन का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर है। उनके जीवन से हमें ऊर्जा, परिश्रम और संकल्प से ही महान कार्य करने की सीख मिलती है। राज्य में कमजोर, पिछड़े, अनाथ एवं संसाधन विहीन बच्चों की शिक्षा व्यवस्था के लिए इस प्रकार के 13 छात्रावास संचालित हैं, जिनमें 1000 बच्चों के लिए निःशुल्क व्यवस्थाएँ की गयी है। बालिकाओं के लिए 40 कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका छात्रावास अलग से संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें सभी सुविधाएँ निःशुल्क दी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका छात्रावासों में रह रही बालिकाओं द्वारा बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने इसके लिये बालिकाओं के शिक्षकों, छात्रावास की वार्डन एवं इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की है। साधनविहीन एवं कमजोर पृष्ठभूमि की इन बालिकाओं के द्वारा श्रेष्ठ प्रदर्शन करना इस बात का द्योतक है कि हमारी बालिकाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, आवश्यकता है तो केवल इन्हें समुचित अवसर तथा सही मार्गदर्शन देने की। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें उच्च विचार, उच्च आचार, उच्च संस्कार और उच्च व्यवहार के साथ ही समाज की समस्याओं का उचित समाधान भी उपलब्ध कराती है। बेटियों को बेहतर शिक्षा प्रदान कराना राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का जो नारा दिया है उस नारे को हमें सार्थक करना है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में हमारे इन बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शिक्षा से ही कोई समाज समृद्धशाली और शक्तिशाली बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का मुख्य सेवक होने के नाते उनकी कोशिश है कि राज्य के हर बच्चे को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध करा सकें। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि उन्हें जो मन से अच्छा लगे वो कैरियर चुनें, क्योंकि बिना रुचि के आप कोई सफल काम नहीं कर सकते। अपनी रुचि के अनुसार हम आगे बढ़ते हैं तो जीवन में सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से जहां एक ओर स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा को नए आयाम प्राप्त होंगे, वहीं इससे सभी वर्ग के लोगों को समानता के आधार पर शिक्षा प्राप्त करने के अवसर भी प्राप्त होंगे। उत्तराखंड देश का प्रथम राज्य है जिसने स्कूली शिक्षा में नई शिक्षा नीति को लागू किया है।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर शिक्षा महानिदेशक एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा बंशीधर तिवारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड : इन जिलों में बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 02 जनवरी : उत्तराखंड में मौसम ने फिर से करवट बदली है। यहां नए साल का स्वागत बारिश और बर्फबारी के साथ होगा। मौसम विभाग ने 2 जनवरी से पांच पहाड़ी जिलों में बारिश और बर्फबारी होने की संभावना जताई है। 3 जनवरी तक कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ता रहेगा, मौसम विभाग ने घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ी जिलों उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इन जिलों में

तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई पर बर्फबारी की भी संभावना है। मौसम विभाग ने दो दिन हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। उधमसिंह नगर और हरिद्वार में सुबह घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी कम होने की वजह से वाहन सड़क पर रेंगते नजर आए।2 जनवरी को भी इन जिलों में घना कोहरा छाया रह सकता है, ऐसे में वाहन चालकों को सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की सलाह दी गई है। 2 जनवरी के बाद पर्वतीय जिलों में बारिश व बर्फबारी की होने की संभावना है। इससे शीतलहर चलने से प्रदेश भर में ठंड बढ़ेगी। इसका असर दिन के तापमान में भी देखने को मिलेगा।

हॉफ अनूप मलिक और टीम फारेस्ट ने सीएम धामी को दी नववर्ष की बधाई

देहरादून , 2 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नववर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक के नेतृत्व में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों ने भेंट कर उन्हें नव वर्ष की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री से राज्य सिविल सेवा के अधिकारियों ने भी भेंट कर नव वर्ष की शुभकामना दी।

मुख्यमंत्री ने भी सभी को बधाई देते हुए अधिकारियों से अपने दायित्वों का निर्वहन बेहतर ढंग से किये जाने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण जन समस्याओं के समाधान के लिये सजगता से कार्य करें ताकि शासन प्रशासन के प्रति आम जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। इस अवसर पर वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी बीएल राणा एवं पीसीएस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ ललित नारायण मिश्र ने मुख्यमंत्री से एसोसिएशन के 19 व 20 जनवरी को आयोजित वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में समय प्रदान करने का भी अनुरोध किया।

किन लोगों में बढ़ जाता है मल्टीपल स्क्लेरोसिस होने का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 दिसंबर : मल्टीपल स्क्लेरोसिस, ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें माइलिन शीथ जो तंत्रिकाओं की रक्षा और उन्हें अलग करती है, क्षतिग्रस्त हो जाती है। मस्तिष्क से विद्युत आवेगों को ले जाने वाले तंत्रिका तंतु भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इस न्यूरोलॉजिकल डिसफंक्शन रोग की शुरुआती में चीजें मैनेज हो जाती हैं, लेकिन समय के साथ, नुकसान और भी बदतर हो सकता है , 2023 तक लगभग 2.9 मिलियन लोग इस स्थिति से पीड़ित हैं। विश्व मल्टीपल स्क्लेरोसिस दिवस एक वार्षिक, ग्लोबल इवेंट है, जो इस स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 30 मई को मनाया जाता है। तो आइए जानें कि किन लोगों में

इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है।

परिवार में इस रोग का इतिहास होने के साथ कुछ बाहरी कारणों से भी प्रभावित हो सकती है। आमतौर पर रोगी के परिवार में इस स्थिति का इतिहास देखा जाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इस बीमारी को ज्यादा देखा जाता है। अन्य कारक जो स्थिति का कारण बन सकते हैं, उनमें एपस्टीन-बार वायरस (Epstein-Barr virus (EBV)) से होने वाला वायरल संक्रमण, सन लाइट कम मिला, विटामिन-डी की कमी और स्मोकिंग शामिल हैं।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस आमतौर पर 20 से 40 की उम्र के लोगों को होता है, जिसमें लक्षण किशोरावस्था के आसपास दिखाई देने लगते हैं।

इसके आम लक्षणों में:थकावट ,सुन्न होना और झुनझुनी आना , मांसपेशियों की ऐंठन ,अकड़न ,दर्द ,हिलने और संतुलन बनाए रखने में दिक्कत आना संज्ञानात्मक समस्याएं ,बोलने में दिक्कत आना ,ब्लैडर और आंतों से जुड़ी दिक्कतें ,यौन समस्याएं ,धुंधला दिखना ,निगलने में कठिनाई, एंग्जाइटी और डिप्रेशन मल्टीपल स्क्लेरोसिस से पूरी तरह बचाव मुमकिन नहीं है, हालांकि, खाने या फिर सप्लीमेंट की मदद से विटामिन-डी की कमी को पूरा करना, स्मोकिंग से बचना और नींद पूरी लेने से एमएस का जोखिम कम हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लिए इस वक्त जो उपचार उपलब्ध हैं, इसमें स्टेरॉयड, न्यूरोलॉजिकल लक्षणों के लिए थेरेपी, फिजियोथेरेपी के अलावा बोलने और भाषा की थेरेपी शामिल हो सकती है।

उड़ान के वक्त 'रॉजर' क्यों बोलते हैं पायलट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 दिसंबर : विमान में काम करने वाले हर कर्मी का काम मुश्किल होता है, पर पायलट का कितना कठिन है, इसके बारे में तो वही समझ सकता है, जो या तो खुद पायलट हो, या फिर उसने पायलटों की लाइफ को करीब से देखा हो. आम लोगों को कॉकपिट में जाने का मौका कम ही मिलता है, इस वजह से वो पायलट को प्लेन उड़ाते नहीं देख सकते, हालांकि, आपने फिल्मों में अक्सर देखा होगा कि पायलट प्लेन को उड़ाते वक्त क्या-क्या करते हैं. फिल्मों में आपने पायलटों से जुड़ी एक और बात गौर की होगी, वो ये कि अक्सर जब वो रेडियो पर अपने सहकर्मियों से बात करते हैं, तो 'रॉजर दैट' बोलते हैं.क्या आप इसका अर्थ जानते हैं? शायद नहीं जानते होंगे, इस वजह से आज हम आपको इसके बारे में बताने जा रहे हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर आम लोग अपने सवाल पूछते हैं, और आम लोग ही उसके जवाब देते हैं. कुछ वक्त पहले किसी ने सवाल किया- "पायलट रॉजर क्यों बोलते हैं और एविएशन में इसका क्या अर्थ होता है?" (Why Pilots Say Roger) कई लोगों ने इस सवाल का जवाब दिया है. हम पहले आपको इन जवाबों के बारे में बताएंगे, फिर विश्वसनीय सूत्रों के जरिए भी सही जवाब देंगे.कैथरीन बर्टन नाम की एक रिटायर्ड पायलट ने लिखा- "रॉजर का अर्थ होता है- आपका संदेश मिल गया है और समझ में आ गया है. वहीं 'विलको' का अर्थ होता है, 'आपका संदेश मिल गया है, समझ आ गया है और मैं वैसा ही करूंगा'. 'अफर्म' का अर्थ होता है 'हां', 'ओवर' का अर्थ होता है- 'मैंने बोलना बंद कर दिया है और अब जवाब का इंतजार कर रहा हूं'. 'ओवर एंड आउट' का अर्थ होता है, 'मैंने बोलना बंद कर दिया है और जवाब का इंतजार नहीं कर रहा हूं'. स्टीव बेजर नाम के एक व्यक्ति ने बताया कि पुराने वक्त में मोर्स कोड भाषा के जरिए संदेश भेजा जाता था. तब अंग्रेजी में ये कहना मुश्किल था- 'संदेश मिल गया है और समझ आ गया है'. इस वजह से 'रिसीव्ड' (मिल गया है) का शॉर्ट फॉर्म 'आर' इस्तेमाल किया जाता था. बोलने में 'आर' को 'रॉजर' कहा जाता था. बस इसी वजह से जब रेडियो का इस्तेमाल हुआ तो उसी 'आर' को 'रॉजर' कहा जाने लगा.

अजब-गजब : यहां के लोग नहीं बताते अपने गांव का नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जनवरी : इटली में पहाड़ों के बीच 'कोलोब्रारो' नाम का एक गांव बसा हुआ है. जो इतना शापित है कि स्थानीय लोग उसका नाम तक नहीं बताते हैं, फिर चाहें आप उनसे किसी भी कीमत पर क्यों न पूछें. ऐसा इसलिए क्योंकि वे इस गांव को भूतिया और शापित मानते हैं. अतीत में यहां कुछ ऐसी खौफनाक घटनाएं हुई हैं, जिनकी वजह से स्थानीय लोग अपने गांव का नाम लेने से मना कर देते हैं।

द सन की रिपोर्ट के अनुसार, कोलोब्रारो गांव विकृत जन्मों, कार एक्सीडेंट्स और प्राकृतिक आपदाओं की भयावह कहानियों का केंद्र रहा है. जिनकी शुरुआत 1900 के दशक के शुरू में हुई. पियाजियो वर्जिलियो नाम का एक अहंकारी वकील था. वह कभी कोई केस नहीं हारा था.

एक दिन उसने एक बड़ा दावा किया. उसने कथित तौर पर कहा, 'अगर मैं जो कहता हूं वह झूठ है, तो क्या यह झूमर गिर सकता है। जैसे ही उसने ये शब्द बोले, उसके सिर के ऊपर झूमर आकर गिर गया और उसकी मौत हो गई. इसके बाद वर्जिलियो अपशकुन का पर्याय बन गया, जिसने इस टाउन पर एक दुष्ट साया डाला. हालांकि माटेओ जैसे स्थानीय लोग इसमें विश्वास नहीं करते हैं. उन्होंने एक रिपोर्ट में बताया,'डॉन बिया जियो वर्जिलियो? बेशक, मैं उसे याद करता हूं!

दुर्भाग्य? लोगों ने इसे बना दिया, वह दुर्भाग्य नहीं लाया. दुर्भाग्य की ये कहानियों– चुड़ैलों की अफवाहों से और भी बदतर हो गईं. इस तरह कोलोब्रारो 'चुड़ैलों का अड्डा' बन गया. इन कहानियों ने लोगों पर इतना असर डाला कि वे सोचने लगे कि वे अभिशाप के अधीन हैं. माना जाता था कि चुड़ैलें जिनके पास जादुई शक्तियां होती थीं, वे पानी में नमक और कोयला मिलाकर उसे दूषित कर देती थीं और फिर उस दूषित पानी को चौराहे पर फेंकने से पहले इसे प्रभावित शख्स के माथे पर रगड़ती थी. जो कोई भी तब सड़क पर से गुजरता था, वह श्राप से मारा जाता था।

डायबिटीज का खतरा बढ़ाती हैं आपकी रोज की ये आदतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जनवरी : लगातार बिगड़ रही जीवनशैली का असर अब हमारे स्वास्थ्य पर भी दिखने लगा है। दुनियाभर में इन दिनों डायबिटीज की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। बीते कुछ समय से भारत में भी इसके मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता है और इसकी वजह से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है।डायबिटीज एक लाइलाज बीमारी है, जो एक बार होने पर पूरे जीवन आपके साथ रहती है। हालांकि, कुछ दवाइयों और खानपान में बदलाव कर इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। डायबिटीज की वजह से व्यक्ति को अन्य कई स्वास्थ्य समस्याएं जैसे हृदय रोग,

स्ट्रोक, किडनी रोग, अंधापन और नर्वस सिस्टम संबंधी समस्याएं आदि हो सकती हैं। ऐसे में इस बीमारी से बचने के लिए अपनी कुछ आदतों में सुधार करना बेहद जरूरी है। आज इन आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं, आपकी कुछ ऐसी ही आदतों के बारे में, जो डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकती है।प्रोसेस्ड फूड, आर्टिफिशियल शुगर वाले ड्रिंक और अनहेल्दी फैट वाले आहार का सेवन करने से मधुमेह विकसित होने का खतरा बढ़ सकता है। ये फूड आइटम्स आपके ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ा सकते हैं, जो आपकी कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपके शरीर के लिए इंसुलिन का उत्पादन या उपयोग करना कठिन बना सकते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी भी डायबिटीज का एक मुख्य कारण है। पर्याप्त एक्सरसाइज न करने से भी मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। व्यायाम आपके शरीर को इंसुलिन को अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में मदद करता है, जो आपके ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

इस रेस्टोरेंट मोटे लोगों की एंट्री BAN

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जनवरी : दुनिया में विचित्र जगहों की कोई कमी नहीं.जब इनके बारे में लोगों को पता चलता है तो हैरान रह जाते हैं. सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि आखिर ऐसा भी हो सकता है? आज हम एक ऐसे ही जगह के बारे में आपको बताने जा रहे हैं. क्या आप एक ऐसे रेस्टोरेंट की कल्पना कर सकते हैं जहां जाने के लिए लोगों को सारे कपड़े उतारने पड़े? शायद नहीं. मगर दुनिया में एक ऐसा रेस्टोरेंट है, जिसके नियम बेहद अजीबोगरीब हैं. यहां मोटे लोगों की एंट्री पर भी पाबंदी है.बेहद क्रूर नियमों वाला यह रेस्टोरेंट जापान की राजधानी टोक्यो में खुला है. इस रेस्टोरेंट की न्यूड थीम नहीं बल्कि यहां एंट्री करने के नियम काफी चौंकाने वाले हैं. दरअसल, यहां आने वाले मेहमानों को पहले अपना वजन करना होता है. अगर वे ज्यादा मोटे पाए गए, तो उन्हें प्रवेश नहीं मिलता. इतना ही नहीं, अगर आपके शरीर पर टैटू या गोदना होगा तो आप प्रवेश नहीं कर पाएंगे. दिलचस्प बात इसका नाम 'द अमृत' रखा गया है जो भारतीय नाम की तरह लगता है.इसके मुताबिक,सिर्फ 18 से 60 साल की उम्र के बीच के लोग ही प्रवेश कर सकेंगे और उससे पहले उन्हें अपने कपड़े जमा कराकर रेस्टोरेंट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले कागज के बने अंडर गारमेंट पहनने होंगे. यहां का वेटर और स्टाफ भी आपको उन्हीं ड्रेस में नजर आएगा. इसमें यह भी लिखा है कि अगर आपका वजन आपके कद के औसत वजन की तुलना में 15 किलो या उससे ज्यादा पाया गया तो आपको इजाजत नहीं दी जाएगी.अगर आप दिखने में ज्यादा वजनी लगे, तो आपका वजन तौला भी जा सकता है.

मैं आपके बीच सैनिक के रूप में आता हूँ : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जनवरी : छठी गढ़वाल राइफल्स के 62वे स्थापना दिवस पर अवसर पर पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मैं जब भी आपके बीच आता हूँ, तब मैं एक मंत्री नहीं बल्कि एक सैनिक के तौर पर आता हूँ। सोमवार को देहरादून के बड़ोवाला स्थित शौर्य फ़ार्म हाउस में गढ़वाल राइफल्स के स्थापना दिवस कार्यक्रम पहुंचे सूबे के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्वलित किया और शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए कृत संकल्पित है।

अमर शहीदों की याद में सरकार देहरादून के गुनियालगाँव में भव्य सैन्य धाम बना रही है। सरकार ने पिछले दिनों ही वीरता और ग़ैर वीरता पदक धारको को मिलने वाली सम्मान राशि को भी कई गुना बढ़ाया है। मंत्री ने बताया कि सरकार द्वारा अब तक शहीदों के 26 आश्रितों को राजकीय सेवा में सेवायोजित किया गया है।

सैनिक कल्याण मंत्री ने बताया कि पूर्व सैनिकों के कंप्यूटर प्रशिक्षित बच्चो के लिए जल्द ही रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा।इस अवसर पर सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने भी अपने संबोधन में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी वीर सैनिकों और नारियो को नमन किया। इस दौरान देश के लिए अपने प्राणो का बलिदान देने वाले अमर शहीदों की वीर नारिया हेमलता

जोशी, उमा देवी, सरिता रावत, राजकुमारी को शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष प्यार सिंह राणा, कर्नल डीके प्रधान, कलम सिंह फर्सवान, जीवन सिंह रावत, वीरेन्द्र सिंह रावत आदि उपस्थित रहे।

नैनीताल : मातम में बदली नए साल की खुशियां, सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 02 दिसंबर : साल के पहले ही दिन उत्तराखंड के नैनीताल जिले से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मौत हो गई। जी हां नैनीताल जिले में दो सड़क हादसे हुए, जिनमें 4 लोगों की मौत हो गई। पहला मामला लालकुआं कोतवाली इलाके का है। पुलिस ने बताया कि वीआईपी गेट के पास ट्रक और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।इस हादसे में बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जैसे ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया, उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद से ट्रक का ड्राइवर फरार है। पुलिस ने बताया कि बलवंत और अजीत नाम के दो दोस्त बाइक पर नए साल के जश्न मनाकर घर लौट रहे थे। तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ट्रक

और चालक की तलाश शुरू कर दी है।उधर दूसरा हादसा भीमताल में हुआ। यहां भी बाइक सवार महिला और पुरुष को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुरुष ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। दीपक नेगी अपनी महिला मित्र के साथ भीमताल से नए साल का जश्न मनाकर लौट रहा था, तभी ये हादसा हो गया। इस घटना के बाद से चालक फरार है और पुलिस चालक की तलाश में जुटी हुई है।

सीडीओ झरना कमठान ने पीएम जनमन योजना की समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 जनवरी 2024, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान पी.एम. जनमन (PM-JANMAN) योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा वी०सी० के माध्यम से समीक्षा की गई। जिसमें मुख्य सचिव द्वारा आदिम जनजाति के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारीयों को निर्देशित किया गया। जिसमें जनपद देहरादून से जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विकास

अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने अवगत कराया कि जनपद अर्न्तगत आदिम जनजाति के लोगों के विकास हेतु 10 बहुद्देशीय भवनो का प्रस्ताव निदेशालय, जनजाति कल्याण के प्रेषित किये गये। विकासखण्ड सहसपुर के अर्न्तगत आदिम जनजाति की बसावटों में आधार शिविर लगाये गये एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार के साथ-साथ सरकार की योजनाओं से वंचित रह गये आदिम जनजाति के व्यक्तियों को योजना का लाभ दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

आदर्श टिहरी नगर पथरी में अतिक्रमण हटाने को डीएम ने दिए आदेश

नई टिहरी। जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम मयूर दीक्षित ने नरेंद्रनगर के स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारियों को एसडीएम कार्यालय के माध्यम से जनता मिलन कार्यक्रम से जुडने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभागों के अधिकारी जन शिकायतों में कोताही किसी भी हाल में न बरतें। सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम ने अधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि जनता मिलन कार्यक्रम, सीएम हेल्पलाइन, तहसील दिवस, बहुउद्देशीय शिविरों एवं बीडीसी बैठकों में दर्ज शिकायतों व समस्याओं पर प्राथमिकता कार्यवाही करें। इन मामलों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। अधिकारी इस बात का ख्याल रखें कि शिकायतें का रिपीटेशन न हो। विकासखण्ड प्रतापनगर के ग्राम जाखणी के अमित सेमवाल ने उनके आवासीय भवन के नीचे खनन किये जाने की शिकायत डीएम से की। जिस पर डीएम ने एसडीएम प्रतापनगर को जांचकर त्वरित आवश्यक कार्यवाही को कहा। पुनर्वासित आदर्श टिहरी नगर पथरी निवासी राम सिंह खरोला ने आदर्श टिहरी नगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाये जाने की मांग की। जिस पर डीएम ने ईई पुनर्वास को प्रकरण पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। घनसाली पट्टी आरगढ ग्राम अजुवा की जमुना देवी ने शिकायत कर बताया कि उसके पति के द्वारा उसके साथ मारपीट की जाती है। शिकायत करने पर हर बार सुलह करा दी जाती है, साथ ही तीन बच्चों का पालन-पोषण भी स्वंय ही करना पड़ रहा है। डीएम ने मामले में एसएसपी व एसडीएम घनसाली को कार्यवाही को कहा।

टिहरी में राम भक्तों ने घर घर जाकर पूजित अक्षत बांटें

नई टिहरी। राम जन्मभूमि से आये पूजित अक्षत का वितरण का शुभारंभ हो गया है। रामभक्तों ने घर-घर जाकर लोगों को पूजित अक्षत, प्रभु राम का चित्र और पत्रक देकर अयोध्या आने का न्यौता भी दिया। सोमवार को टिहरी जिले के नई टिहरी, चंबा, घनसाली, प्रतापनगर, थत्यूड़, देवप्रयाग, गजा, नरेन्द्रनगर, थत्यूड़,नैनबाग सहित विभिन्न कस्बों में राम जन्म भूमि अयोध्या से आये पूजित अक्षत वितरण कार्यक्रम शुरु हुआ। चंबा में अभियान के जिला संयोजक व विहिप के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह सजवाण ने पूजित अक्षत वितरण विधि विधान के साथ शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि जिले के अन्य स्थानों पर अभियान के जिला सह संयोजक, ब्लॉक संयोजकों की ओर से पूजित अक्षत वितरण शुरु किये गये हैं। कहा कि श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में बन रहे भगवान राम का भव्य मंदिर एकता और समरसता का प्रतीक है। मन्दिर निर्माण के लिए हिन्दू समाज सहित अन्य लोगों ने निधि समर्पण में अपना सहयोग दिया था। आगामी 22 जनवरी को भगवान राम के नव निर्मित भव्य मन्दिर में रामलला की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा की जानी है, जिसके तहत प्रत्येक परिवार तक पूजित अक्षत पहुंचाने का काम किया जा रहा है,साथ ही लोगों को अयोध्या आने का निमंत्रण भी दिया जा रहा है।

एनएसएस शिविर में छात्रों ने ग्रामीणों को जानकारी दी

नई टिहरी। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज उनियालसारी चंबा और नई टिहरी के एनएसएस शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं ने ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने गांव के पैदल मार्गों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया।सोमवार को सविमं इंटर कॉलेज उनियालसारी चंबा के एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वयं सेवियों ने ग्राम सभा साबली के विभिन्न आंतरिक मार्गों में उगी झाडियों को कटान कर स्वच्छता अभियान चलाया, साथ ही पेयजल स्रोतों की सफाई भी की। सविमं इंटर कॉलेज नई टिहरी का बुडोगी गांव के चवालखेल में आयोजित एनएसएस शिविर के छटवें दिन स्वयं सेवियों ने ग्रामीणों के घर घर जाकर डिजिटल बैंकिंग, डिजिटल साक्षरता, मतदाता, साफ सफाई आदि के बारे में जानकारी दी। मौके पर एनएसएस अधिकारी सुरजीत पंवार, राजेंद्र मिश्रवाण, केशवानंद मैठाणी, सुधीर बहुगुणा, बिजेंद्र भंडारी, डिमेश्वर प्रसाद बहुगुणा, पुष्पराज, राजेश नेगी, सुष्मिता राणा, सुबोध ध्यानी आदि मौजूद थे।.

भिलंगना विकास समिति ने स्थापना दिवस मनाया

नई टिहरी। भिलंगना विकास समिति दिल्ली ने अपना 28 वां स्थापना दिवस गढ़वाल भवन सभागार वीरचंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग झंडेवाला नई दिल्ली में धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में राइजिंग सन पब्लिक स्कूल घुत्तु भिंगल के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में भिलंगना गौरव सम्मान से कई लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर भिलंगना क्षेत्र के उद्यमियों में सुरेंद्र सिंह राणा, राम सिंह पंवार, महावीर असवाल, फुलदेवी राणा, मायाराम नौटियाल सहित 150 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपतियों, पत्रकारों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को समिति की ओर से भिलंगना गौरव सम्मान दिया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ राइजिंग सन पब्लिक स्कूल घुत्तू भिलंग के छात्रों ने गढ़ शिरोमणि जीतू बगडवाल भाव नाटिका का मंचन की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष वीरेन्द्र पैन्यूली, महासचिव शिव सिंह राणा, सोहन सिंह भंडारी, भजराम डंगवाल,भीम सिंह राणा, राजेंद्र चौहान, देवेश नौटियाल, सुखदेव राणा, इंद्रदत्त पैन्यूली, जगदम्बा सेमवाल,राजेन्द्र कैंतुरा, सूर्य प्रकाश सेमवाल, राजेश सेमवाल, बिरेन्द्र भट्ट, सत्यपाल रावत,महेश सेमवाल,राकेश सेमवाल सहित कई लोग मौजूद थे।

कंडीसौड़ में बहुद्देशीय शिविर 3 को.

नई टिहरी। सीडीओ मनीष कुमार ने बताया कि आगामी 3 जनवरी को विकास खण्ड थौलधार के कार्यालय भवन कण्डीसौड़ में सुबह 11 बजे से बहुद्देशीय शिविर का आयोजन डीएम मयूर दीक्षिति की अध्यक्षता में किया जायेगा। शिविर में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी स्टालों की मदद से दी जायेगी। स्वास्थ्य व विकलांग शिविर का भी आयोजन होगा। मौके पर आम लोगों की समस्याओं को सुनते हुए उनका निस्तारण किया जायेगा।

मूल बांध विस्थापितों ने न्याय देने की मांग डीएम से की

नई टिहरी। पुरानी टिहरी बांध विस्थापित संघर्ष समिति ने डीएम मयूर दीक्षित को पत्र प्रेषित कर पुरानी टिहरी के मूल निवासियों को न्याय देने की मांग करते हुए कहा कि पुरानी टिहरी के अवशेष सभी विस्थापित परिवारों को समानता के आधार पर 30 रुपये प्रतिवर्ग फीट मुआवजा दिया जाय। समानता के आधार पर सभी विस्थापितों को भवन निर्माण सहायता, सभी मूल निवासियों को बिजली की दरों में छूट, सभी मूल निवासियों को निशुल्क जल, टीएचडीसी में दिए जाने वाली नौकरियों में टिहरी के मूल निवासियों को वरीयता, टिहरी हाईड्रोइंजीनियरिंग कालेज व अन्य शिक्षण संस्थानों में टिहरी के मूल निवासिसयों को आरक्षण, टिहरी जलाशय के आस-पास भूमि, भवन व व्यवसायिक गतिविधियों में 50 प्रतिशत आरक्षण, शोधार्थियों के लिए पुरानी टिहरी के इतिहास व संस्कृति के ज्ञान के लिए संग्रहालय का निर्माण, नई टिहरी शहर के भीतर ही मेडिकल कालेज की स्थापना आदि कार्य किए जायें। टिहरी बांध से विस्थापित हुए लगभग 500-600 परिवारों को भूमि प्रतिकर भुगतान दिए जाने की मांग करते हुए कहा कि टिहरी शहर के मूल बांध विस्थापित लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जिनकी समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण होना चाहिए। उत्तराखंड को बने 23 वर्ष हो गये हैं।

सचिव दीपक कुमार बन गए सरकार के वास्तविक दीपक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यमकेश्वर,31 दिसंबर 2023 को दीपक कुमार सचिव , कार्यक्रम क्रियान्वयन उत्तराखंड शासन द्वारा मोहनचट्टी के आसपास हो रहे निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों के साथ मोहन चट्टी में बैठक की गई.बैठक में मुख्यमंत्री की घोषणाओं का समय पर संपादन के साथ साथ केंद्र पोषित योजनाएं एवं राज्य पोषित योजनाएं , विकसित भारत संकल्प यात्रा , प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, मनरेगा ,सीएम हेल्पलाइन ,NRLM योजना के तहत संचालित लखपति दीदी योजना ,समाज कल्याण के तहत संचालित विभिन्न पेंशन एवं जन कल्याणकारी योजना तथा तथा कृषि, उद्यान ,शिक्षा विभाग व कानून व्यवस्था की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि ब्लॉक एवं तहसील जिनका जनता से सीधा संवाद एवं संपर्क होता है उस स्तर पर कार्य की समीक्षा किया जाना जरूरी है जिससे सरकार एवं लाभार्थियों के मध्य में यदि कोई संचार की कमी रह जाती है तो समीक्षा के माध्यम से उन सारे कमियों का निस्तारण किया जा सकता है ।उन्होंने उप जिलाधिकारी एवं खंड खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि सरकार की राज्य पोषित एवं केंद्र पोषित तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने हेतु सशक्त रूप से कार्य करें। पुलिस निरीक्षक को मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ-साथ ड्रग्स फ्री उत्तराखंड बनाने व साइबर सिक्युरिटी के सम्बंध में उचित दिशा निर्देश दिये गये.

उपरोक्त बैठक में उप जिलाधिकारी यमकेश्वर खंड विकास अधिकारी यमकेश्वर, पुलिस निरीक्षक यमकेश्वर क्षेत्र तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

देहरादून में घना कोहरा, जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर हवाई सेवाएं ठप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जनवरी : प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मैदानी इलाके कोहरे की चादर में लिपटे हैं। घने कोहरे की वजह से रेल और बस सेवाओं के साथ ही हवाई सेवाएं भी प्रभावित हुए हैं। देहरादून में बीते दिन सुबह से ही जौलीग्रांट और आस-पास के क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा। इसके चलते देहरादून एयरपोर्ट भी घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया।

यहां कोहरे के कारण विजुअलिटी गिरकर मात्र 50 मीटर हो गई। जिससे देहरादून एयरपोर्ट पर आने वाली फ्लाइट प्रभावित हुई। इंडिगो की दिल्ली से दून आने वाली फ्लाइट भी देहरादून एयरपोर्ट पर नहीं पहुंच पाई। इसी तरह सुबह 8:00 बजे अहमदाबाद से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट भी एयरपोर्ट नहीं पहुंच सकी। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली एयरपोर्ट पर छाए कोहरे के कारण देहरादून हवाई एयरपोर्ट पर हवाई यातायात प्रभावित हो रहा था, लेकिन बीती सुबह क्षेत्र में छाए कोहरे के कारण देहरादून एयरपोर्ट पर हवाई यातायात ठप हो गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार एयरपोर्ट पर न्यूनतम विजुअलिटी 50 मीटर दर्ज की गई है, जबकि सामान्यत एयरपोर्ट पर आने वाले विमान को 1000 मीटर के आस-पास की विजुअलिटी की जरूरत पड़ती है। यह पहला मौका है जब एयरपोर्ट और आस-पास के क्षेत्र में छाए घने कोहरे के कारण हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। इसलिए Dehradun Airport Weather Update देखकर ही सफर पर निकलें।

सावधान : उत्तराखंड में कोरोना की दस्तक, 77 साल की महिला मिली कोरोना पॉजिटिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जनवरी : जिस बात का डर था वही हुआ। कोरोना ने अब उत्तराखंड में भी दस्तक दे दी है। यहां देहरादून में एक बुजुर्ग महिला कोरोना से संक्रमित पाई गई। महिला के कोरोना संक्रमित मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। बुजुर्ग महिला का सैंपल लेकर उसकी जीनोम सीक्वेंसिंग कराई जा रही है। कोरोना पॉजिटिव मिली बुजुर्ग महिला 77 साल की है। उनकी कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग महिला को 18 दिसंबर को मैक्स हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। उन्हें शुगर और हृदय रोग से जुड़ी परेशानी थी। उसी वक्त महिला का सैंपल भी लिया गया था। 28 दिसंबर को रिपोर्ट आई, जिसमें बुजुर्ग महिला कोरोना पॉजिटिव मिली। इसके बाद मरीज को दून मेडिकल कॉलेज लाने की तैयारी थी,

लेकिन स्वजन उन्हें घर ले गए हैं। बताया जा रहा है कि महिला के एक पारिवारिक सदस्य डॉक्टर हैं, जो कि घर पर ही उनका ध्यान रख रहे हैं।मरीज होम आइसोलेशन में है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीएस रावत ने कहा कि मरीज की कोई ट्रैवल हिस्ट्री सामने नहीं आई है। फिर भी एहतियात के तौर पर जीनोम सीक्वेंसिंग कराई जा रही है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग हर एहतियाती कदम उठा रहा है। लोगों को सावधानी बरतने और Corona JN.1 variant अनुरूप व्यवहार अपनाने की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

किसान सभा जिलाध्यक्ष ने जल संस्थान के बाहर धरना दिया

नई टिहरी। उतराखंड किसान सभा के जिलाध्यक्ष ने टिहरी बांध प्रभावित परिवारों के जलकर मूल्य को माफ करने की मांग को लेकर जल संस्थान के दफ्तर के बाहर धरना दिया। उन्होंने प्रभावितों के हितों में वर्ष 2019 का शासनादेश लागू करने की मांग की है।
सोमवार को उतराखंड किसान सभा के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह राणा ने बांध प्रभावित परिवारों के लिये जल संस्थान से जलकर मूल्य माफ करने की मांग को लेकर जल संस्थान दफ्तर परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। उन्होंने कहा कि टिहरी बांध से प्रभावित परिवारों का जलकर मूल्य 3 मार्च वर्ष 2019 उत्तराखंड शासनादेश के मुताबिक माफ करने की मांग की है। कहा कि जल संस्थान शासनादेश में उल्लेखित प्रभावित शब्द की जगह विस्थापित शब्द को प्रयोग में ला रहा है, जो बांध प्रभावितों को गुमराह करने जैसे है। विभाग बांध प्रभावित परिवार को निशुल्क पीने के पानी की हकदारी से वंचित किया जा रहा है, जो शासनादेश का उल्लंघन है। बताया वह बांध प्रभावित तल्ला उप्पू गांव के निवासी होने के साथ बांध प्रभावित है। शासनादेश के मुताबिक वह जलकर मूल्य माफी के पूर्ण हकदार है, लेकिन जल संस्थान के अधिकारियों द्वारा उनसे विस्थापित होने का प्रमाण पत्र मांग जा रहा है। कहा मामले में जल्द सुनवाई नहीं होती है, वह आगामी 25 जनवरी से डीएम दफ्तर के बाहर धरने पर बैठेंगे।

नए साल पर श्रद्धालुओं ने लिया भगवान रघुनाथ का आशीर्वाद

नई टिहरी। भगवान श्रीराम की तपस्थली में नववर्ष की शुरुआत पर श्री रघुनाथ मंदिर की महापूजा में दर्शन पूजन को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पौष माह में भगवान रघुनाथ की महापूजा का यहां विशेष महात्मय है। सोमवार को नववर्ष पर कड़ाके की ठंड में बड़ी संख्या में महिला, युवा, बुजुर्ग भगवान रघुनाथ की पौष माह की महापूजा में सुख समृद्धि का आशीर्वाद लेने पहुंचे। तीर्थ पुरोहितों सहित तीर्थयात्री भी इसमें शामिल थे। भारी भीड़ उमडने से काफी लोगों को मन्दिर के बाहर आंगन में भी खड़ा होना पड़ा। पुजारी पं. समीर पंचपुरी ने भगवान का इस मौके पर विशेष श्रृंगार किया। जबकि मन्दिर को भी गेंदे के फूलों से सजाया गया था। भगवान को समर्पित जय राम की जय जय मंगल आरती, कौशल्या प्यारे राम जी को, उद्धव प्यारे करमन की गति न्यारी सहित जय जगदीश हरे भजन आरती का भावमय गायन घंटा, ढोल, खड़ताल के साथ श्रद्धालुओं ने किया। महापूजा के बाद प्रसाद रूप मे खिचड़ी व रेवड़ी लेने की यहां होड़ बनी रही।

नई टिहरी शहर के विस्तार की मांग सीएम से की

नई टिहरी। भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य एडवोकेट बद्रीप्रसाद उनियाल ने सीएम पुष्कर धामी को ज्ञापन प्रेषित कर नई टिहरी के निकस्थ कु_ा सुरकंडा मंदिर के चारों ओर राजस्व गांव जसपूर व डोबरा की भूमि पर नया आधुनिक शहर बनाने की मांग की है। यहां पर आधुनिक शहर बसाने को सीएम की घोषणा में शामिल करने की मांग की है। सरकार नए शहरों को विकसित करने की नीति के तहत इस क्षेत्र में नई टिहरी शहर के विकास के लिए सीएम घोषणा में शामिल करे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर आज

पौड़ी। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नगर पंचायत के राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय परिसर में विभिन्न विभागों स्वास्थ्य, जल संस्थान, विद्युत विभाग, खाद्य आपूर्ति, उद्यान विभाग, पशुपालन विभागों के द्वारा केंद्रीय एवं राज्य पोषित योजना संबंधी स्टॉल लगाए जाने जाएंगे। जिससे लोगों को योजनाओं से अवगत कराया सके। नगर पंचायत सतपुली अधिशासी अधिकारी सीमा रावत ने बताया कि शिविर में शिविर के माध्यम से योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी जाएगी।

अक्षत कलश यात्रा में निकाली गई शोभायात्रा

पौड़ी। पौड़ी में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर अक्षत कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान यात्रा लक्ष्मीनारायण मंदिर से धारा रोड, अपर बाजार होते हुए डीएवी तक गई। यात्रा में शामिल लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, विधायक राजकुमार पोरी, बीजेपी जिलाध्यक्ष सुषमा रावत आदि शामिल रहे। वहीं, पाबौ में अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर अक्षत कलश यात्रा निकाली गई।

नए साल पर देश भर में हुए ये बड़े बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 दिसंबर : नए साल 2024 की शुरुआत हो गई है. इसके साथ ही हर बार की तरह इस साल के पहले महीने के शुरू होते ही कई नियमों में बदलाव किए गए हैं. आज यानी 1 जनवरी से नए नियम (New Rules From 1st January 2023) लागू होने जा रहे हैं. ऐसे में नए साल में हुए इन बदलावों के बारे में जानना आपके लिए बेहद जरूरी है. क्योंकि इनमें कुछ ऐसे भी नियम हैं, जो आपकी जेब पर सीधा असर डाल सकते हैं. इनमें पेट्रोल-डीजल की कीमत से लेकर यूपीआई आईडी डी-एक्टीवेट होना शामिल है. तो चलिए आपको 1 जनवरी से होने वाले कुछ बड़े बदलावों के बारे में बताते हैं .

हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी लेना हुआ आसानदेश की सभी इंश्योरेंस कंपनियों 1 जनवरी 2024 के बाद जो भी हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी जारी करेगी उसके साथ पॉलिसी होल्डर (Policyholder) को एक कस्टमर इनफॉरमेशन शीट भी मुहैया करानी होगी. बीते महीने इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (IRDAI) ने देश की सभी इंश्योरेंस कंपनियों (Insurance Company) को हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी (Health Insurance Policy) जारी करने को लेकर एक नया सर्कुलर जारी किया . जिसके तहत अब हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को कस्टमर इनफॉरमेशन शीट में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी (Health Policy) से जुड़ी सारी महत्वपूर्ण जानकारी आसान शब्दों में पॉलिसी होल्डर को देनी होगी. उन्हें यह बताना होगा की पॉलिसी का कवरेज क्या है और इस पॉलिसी से उन्हें क्या-क्या फायदा हो सकता है.

इसके साथ हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को यह भी बताना होगा कि अगर पॉलिसी होल्डर हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम (Health insurance claims) करना चाहते हैं तो उसकी क्या प्रक्रिया होगी.अगर उन्हें कोई शिकायत है तो शिकायत के निवारण के लिए कंपनी ने क्या मापदंड तय किए हैं .कस्टमर इनफॉरमेशन शीट में शिकायत निवारण अधिकारी का नाम और उसे आसानी से संपर्क करने से जुड़ी जानकारी भी साझा करनीनए साल में कार खरीदना हुआ महंगाअगर आप नए साल में अपनी पसंदीदा कर खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपके लिए यह खबर जरूरी है. दरअसल, कई कंपनियों ने 1 जनवरी 2024 से कार के दाम बढ़ा दिए हैं. हाल ही में मर्सिडीज-बेंज (Mercedes-Benz) ने नए साल यानी एक जनवरी से भारत में चुनिंदा मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की. इससे पहले मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, वोल्वो कार इंडिया, ऑडी ने भी घोषणा की थी कि वह एक जनवरी 2024 से कार की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी. ये कंपनियां 2 से लेकर 5 फीसदी तक दाम बढ़ा चुकी है.हालांकि कारों के दाम में वृद्धि मॉडल्स के हिसाब से की गए हैं.

पेट्रोल और डीजल ने नए रेट जारीसरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी 1 जनवरी पेट्रोल-डीजल (Petrol-Diesel Price) की कीमतें अपडेट कर दी है. आज यानी 1 जनवरी 2023 को तेल कंपनियों ने राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है.हालांकि, राज्य स्तर पर बात करें तो कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल (Today Petrol Diesel) सस्ता हुआ है. वहीं, कुछ राज्यों में इसकी कीमतों में बढ़ोतरी हुई है.

इस तरह के UPI IDs हो जाएंगे डी-एक्टिवेटNPCI ने 7 नवंबर, 2023 को एक सर्कुलर जारी किया था. जिसके मुताबिक, अगर आपका Google Pay, Phone Pe या Paytm से जुड़ा UPI IDs बीते एक साल से इन-एक्टिव है, यानी आपने एक साल से UPI IDs का इस्तेमाल नहीं किया है तो ये खबर आपको परेशान कर सकती है. आज यानी 1 जनरी से ऐसे इन-एक्टिव UPI IDs डी-एक्टिवेट हो जाएंगे . ऐसे में आप यूपीआई का इस्तेमाल करके पैसे नहीं भेज पाएंगे.इन दो स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में इजाफासरकार ने जनवरी-मार्च 2024 के लिए सुकन्या समृद्धि स्कीम की ब्याज दर को 20 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया है जिसके बाद यह बढ़कर 8.20% हो गया है. इसकी तरह तीन साल के टर्म डिपॉजिट पर ब्याज दर 10 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 7.1% की गई है. सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक , ये नई ब्याज दरें 1 जनवरी, 2024 से ही लागू हो चुकी हैं .जनवरी 2024 में कुल 16 दिन बैंक बंदरिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की ओर से जनवरी 2024 के लिए बैंकों की छुट्टियों (Bank Holidays In January 2023) की लिस्ट जारी कर दी गई हैं. जिसके मुताबिक, जनवरी 2024 में कुल 16 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं. अगले महीने साप्ताहिक छुट्टियों से लेकर अलग-अलग राज्यों में होनेवाले लोहड़ी, मकर संक्रांति जैसे त्योहारों के चलते 16 दिन बैंकों की छुट्टियां (January Bank Holidays) रहेगी. अगर बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है तो उसे जल्द से जल्द निपटा लें.क्योंकि अगर बैंकों की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी तो आप ये जरूरी काम नहीं कर पाएंगे.

क्या आपको पता है OK का असली मतलब क्या होता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जनवरी : लोग किसी भी बात पर सहमति जताने के लिए OK शब्द का इस्तेमाल करते हैं. दो अक्षर का यह शब्द बोलचाल में बहुत ही ज्यादा इस्तेमाल में लाया जाता है. बातचीत के दौरान इस शब्द का हम सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं. OK एक पूरे वाक्य की तरह काम करता है. आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि OK कोई शब्द नहीं है. OK एक शॉर्ट फॉर्म है. हम आज आपको OK का मतलब बताएंगे. OK एक ग्रीक शब्द है, जिसका फुल फॉर्म है 'Olla Kalla'. इसका अंग्रेजी में मतलब होता है All correct. बता दें कि OK शब्द की उत्पत्ति 183 साल पहले हुई थी. अमेरिकी पत्रकार चार्ल्स गोर्डोन ग्रीन (Charles Gordon Greene) के दफ्तर से इस शब्द के इस्तेमाल की शुरुआत हुई थी. बता दें कि साल 1839 में चार्ल्स गोर्डोन ग्रीन किसी शब्द की जगह प्लेफुल एब्रीविएशंस का इस्तेमाल करते थे.OK का इस्तेमाल सबसे पहले "Oll Korrect" के एब्रीविएशन के तौर

पर किया गया था. दरअसल, यह ग्रामर पर एक व्यंगात्मक लेख था. साल 1839 में यह बोस्टन मॉर्निंग पोस्ट में छपा था. इसके बाद OW जैसे शब्द भी इस्तेमाल में आए. इसका मतलब ₹oll wright₹ या all right होता था. साल 1840 में अमेरिकी राष्ट्रपति Martin Van Buren के री- इलेक्शन कैंपेन में ओके शब्द का इस्तेमाल किया गया. इसके बाद यह पूरी दुनिया में प्रचलित हो गया.दरअसल, Van Buren का निकनेम Old Kinderhook था. इसलिए उनके समर्थकों ने चुनाव प्रचार में OK शब्द का इस्तेमाल किया. इस दौरान पूरे देश में OK Clubs बनाए गए. अब ओके एक डबल मीनिंग वर्ड बन गया था. इसका मतलब Old Kinderhook भी था और All Correct भी.

विकासखंड मोरी में अज्ञात बीमारी से मर रहे पशु : पुरोला विधायक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामना दी।विधायक पुरोला दुर्गेश्वर लाल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि विकासखण्ड मोरी के विभिन्न गांवों में अज्ञान बीमारी से भेड़ बकरी पालकों की बड़ी संख्या में भेड़ बकरियों की मृत्यु हो गयी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से भेड़ पालकों को आर्थिक सहयोग का अनुरोध भी किया।

16 फरवरी से शुरू होगा राज्य स्तरीय ओपन टेनिस प्रतियोगिता

हल्द्वानी। राज्य स्तरीय हल्द्वानी ओपन टेनिस प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ 16 फरवरी से होगा। प्रतियोगिता 16, 17 व 18 फरवरी को आपिटमम टेनिस एकेडमी चूनाखान, बैलपड़ाव में होगा। सोमवार को बैठक कर कार्यवाहक अध्यक्ष, डीटीए नैनीताल विवेक अग्रवाल ने प्रतियोगिता के दिशा निर्देशों दिए गए। जिला टेनिस एसोसिएशन, नैनीताल के सचिव हेम कुमार पांडे ने बताया की आयोजन से सम्बंधित तैयारियों पूरी की जा रही है। प्रतियोगिता में देहरादून, अल्मोड़ा, चम्पावत, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी, हरिद्वार, यूएसनगर, पिथौरागढ़ व नैनीताल को मिलाकर लगभग 110 खिलाडियों के प्रतिभाग करने की संभावना है। प्रतियोगिता को पांच आयुवर्ग 35 वर्ष से कम (मेंस ओपन), 35 से 45 वर्ष, 45 से 55 वर्ष, 55 से 65 वर्ष व 65 से अधिक आयुवर्ग में बांटा गया है। प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक वेदांता नेत्रालय व वसुंधरा सोसाईटी है। तकनीकी निदेशक प्रोफेसर घनश्याम लाल साह है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2024 है।

मूल निवास लागू करने की उठाई मांग

पौड़ी। उक्रांद व राज्य आंदोलनकारियों ने प्रदेश में मूल निवास 1950 लागू करने की मांग की है। राज्य आंदोलनकारियों व उक्रांद ने चाकीसैंण तहसील के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर जल्द ही प्रदेश में मूल निवास 1950 लागू करने की मांग की है। सोमवार को चाकीसैंण क्षेत्र के राज्यआंदोलनकारियों व उक्रांद ने राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह प्रदेश में भी स्थाई निवास के बदले मूल निवास की कट आफ डेट 1950 लागू की जाए। जिससे यहां के मूल निवासियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा हो सके। इस मौके पर उक्रांद के मुरारी नौडियाल, आंदोलनकारी दौलत राम पोखरियाल, जीतराम, मनवर, विनोद चौहान, शकुंतला नौडियाल, अरविंद, चक्रधर, शिवा भटट आदि शामिल रहे।

मदोला गांव में गैंडा और मोरू डाली कौथिग देखने उमड़े लोग

रुद्रप्रयाग। जनपद के मदोला गांव में चल रहे पांडव नृत्य में सोमवार को गैंडा एवं मौरू डाली कौथिग आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने पांडवों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पांडव पश्वाओं द्वारा प्रसाद वितरण के साथ पांडव नृत्य का समापन हो गया है।

बीते 14 दिसम्बर से मदोला गांव में पांडव नृत्य का आयोजन शुरू हुआ। जबकि 18 दिसम्बर को पांडवों के अस्त्र-शस्त्रों का पूजन होने के बाद पांडवों द्वारा अस्त्र-शस्त्रों के साथ नृत्य शुरू किया। 24 दिसम्बर को विधिवत पूजा अर्चना के बाद मोरू डाली को पांडव चौक में स्थापित किया गया। सोमवार प्रसिद्ध गैंडा कौथिग का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने कौथिग का आनंद लिया। जबकि इसके बाद मौरू डाली कौथिग हुआ। मदोला सहित आसपास के विभिन्न गांवों के लोगों ने यहां पहुंचकर मौरू डाली कौथिग में भगवान नारायण के साथ ही पांचों पांडव पश्वाओं से प्रसाद लिया।

मिनाक्षी व कृष चुने गए उत्कृष्ट स्वयंसेवी

रुद्रप्रयाग। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज का एनएसएस सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हो गया। अंतिम दिवस पर स्वयं सेवियों ने रंगारंग कार्यक्रमों व जन जागरूकता नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुतियां दी। शिविर में मिनाक्षी और कृष खत्री को उत्कृष्ट स्वयंसेवी चुना गया। सेमी गांव में आयोजित शिविर का शुभारंभ प्रसिद्ध समाजसेवी जय सिंह नेगी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यापार संघ अध्यक्ष मदन सिंह रावत ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से देश सेवा करना है। डा. जैक्सवीन पब्लिक इंटर कालेज के चैयरमेन लखपत सिंह राणा ने कहा कि युवा छात्र-छात्राओं को शिक्षार्जन के साथ-साथ समाज व राष्ट्र निर्माण की विभिन्न रचनात्मक कार्यों से जोडने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि राय सिंह राणा ने स्वयं सेवियों से शिविर में प्राप्त की जानकारियों का आत्मसात कर समाज में फैला कर लोगों को जागरूक करने की अपील की। सात दिवसीय शिविर में स्वयं सेवियों ने प्रतिभाग कर बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं, नशा मुक्ति, मतदान जागरूकता रैली, सेवित ग्राम की साफ सफाई, बौद्धिक सत्र आयोजित किए गए। जिसमें लोगों को समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने की अपील की गई। समापन अवसर पर स्वयं सेवियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर भगत कोटवाल, कमल सिह रावत, प्रधान देवेश्वरी देवी, प्रधानाध्यापक रामकुमार बगवाड़ी, दौलत बत्र्वाल, सहायक कार्यक्रम अधिकारी दिगम्बर नेगी, कुलदीप रमोला समेत अन्य मौजूद थे।

पठाली गांव में चार वर्षो बाद हुआ पांडव नृत्य

रुद्रप्रयाग। पठाली गांव में विगत चार वर्षों के बाद पांडव नृत्य का आयोजन हो रहा है। सोमवार को पठाली गांव से पांडव ओंकारेश्वर मंदिर में पहुंचे। जहाँ पर मंदिर समिति द्वारा कार्याधिकारी रमेशचंद्र तिवारी के नेतृत्व में पांडवों का फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। वहीं पांडव भगवान के दर्शनों के लिए सैकड़ों लोग मंदिर में पहुंचे। इस धार्मिक अनुष्ठान में छाका के अंतर्गत पांडवों द्वारा विभिन्न गांवों का भी भ्रमण किया जाता है। 23 दिसम्बर से शुरू इस अनुष्ठान का हाथी कौथिग के साथ समापन किया जाएगा।

अजब-गजब : एक ऐसी घाटी जहां इंसान चला जाए, तो वापस लौट नहीं पाता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जनवरी : इस धरती पर कई ऐसे रहस्य मौजूद हैं, जिनकी गुत्थी आज तक कोई नहीं सुलझा पाया. ऐसे रहस्य साइंस के लिए भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं. दुनिया के ऐसे ही कमाल के रोचक तथ्य हैं, जिनके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे. यह तथ्य आपके होश उड़ाने के साथ ही आपका नॉलेज भी बढ़ाते हैं. आज हम आपको 'अजब-गजब' की इस सीरीज में एक ऐसी ही जगह के बारे में बताने जा रहे हैं. आइए जानते हैं...

आज हम आपको एक रहस्यमयी घाटी है के बारे में बता रहे हैं. कहते हैं कि इस घाटी को आज तक कोई भी नहीं ढूंढ पाया है. अब आप कहेंगे कि जब कोई नहीं ढूंढ पाया तो हमें इसके बारे में कैसे पता है. दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक यह घाटी अरुणाचल प्रदेश और तिब्बत के बीच में कहीं पर मौजूद हैं. इस जगह को 'शांगरी-ला घाटी' कहा जाता है. इसकी गिनती वायुमंडल के चौथे आयाम यानी समय से प्रभावित जगहों में होती है. इस घाटी को बरमूडा ट्राएंगल की तरह ही दुनिया की सबसे रहस्यपूर्ण जगह माना जाता है. बरमूडा ट्राएंगल नार्थ अटलांटिक महासागर का वो हिस्सा है, जहां से गुजरने वाले पानी के जहाज और हवाई जहाज गायब हो जाते हैं. वहीं, 'शांगरी-ला घाटी' के लिए कहा जाता है कि इसका सीधा संबंध दूसरे दुनिया से है. असमिया साहित्यकार अरुण शर्मा की किताब 'तिब्बत की वह रहस्यमय घाटी' में इसका जिक्र मिलता है. लेखक के मुताबिक एक लामा ने उन्हें बताया कि शांगरी-ला घाटी में काल का प्रभाव नगण्य है।

वहीं, इस घाटी का जिक्र तिब्बती भाषा में लिखी किताब 'काल विज्ञान' में मिलता है. तिब्बती विद्वान युत्सुंग का कहना है कि वह खुद इस रहस्यमय घाटी में जा चुके हैं. उनके मुताबिक वहां न तो सूर्य का प्रकाश था और न ही चंद्रमा, लेकिन फिर भी चारों तरफ एक रहस्यमय प्रकाश फैला रहता है।

इस घाटी को धरती का आध्यात्मिक नियंत्रण केंद्र भी कहा जाता है. वहीं, इसे सिद्धाश्रम भी कहते हैं, जिसका जिक्र हिंदू धर्म ग्रंथों महाभारत से लेकर वाल्मीकि रामायण और वेदों में भी हुआ है. जानकारी के मुताबिक चीनी फौज ने भी इस रहस्यमयी घाटी को बहुत खोजने के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली. कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनियाभर में जितने भी 'शांगरी-ला घाटी' के राज से पर्दा उठाने की कोशिश की, उसका पता दोबारा नहीं लगा।

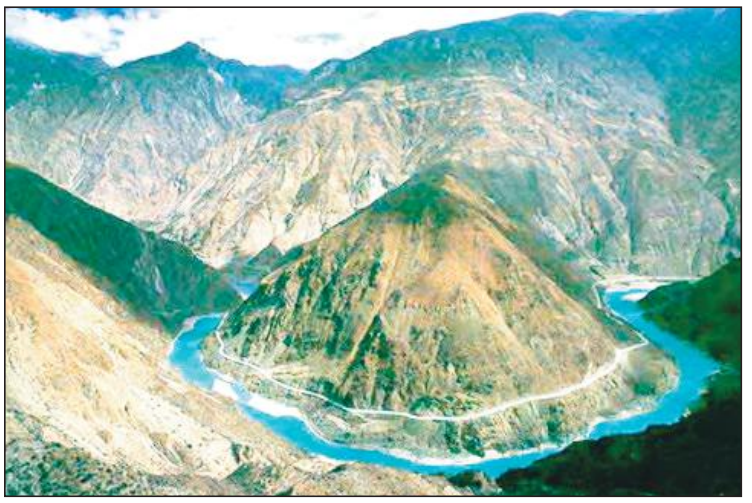

क्या है माइक्रो चीटिंग जो बना रही है रिश्तों में दूरियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जनवरी : किसी भी रिश्ते को बनाना जितना मुश्किल होता है, उसे निभाना उससे भी ज्यादा कठिन होता है। रिश्ते कांच की तरह नाजुक होते हैं, जो छोटी-सी गलतफहमी और लापरवाही से टूट सकते हैं। इन दिनों लगातार कई ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां वर्षों पुराने रिश्ते भी टूटते नजर आ रहे हैं। किसी भी रिश्ते को बनाए रखने के लिए उसमें न सिर्फ प्यार जरूरी होता है, बल्कि विश्वास और सम्मान की बेहद अहम होता है। हालांकि, इन दिनों लोगों की बदलती पसंद और आदतों का असर रिश्तो पर भी दिखाई देने लगा है।

आजकल कई रिश्तो में माइक्रो चीटिंग देखने को मिल रही है। आप में से कई लोगों ने शायद ही इसके बारे में सुना या पढ़ा होगा। दरअसल, यह एक तरह का धोखा ही होता है, लेकिन इसके बारे में कम जानकारी होने की वजह से लोग आसानी से इसकी पहचान नहीं कर पाते हैं। ऐसे में अक्सर व्यक्ति को इस बात का पता भी नहीं चलता कि वह जाने अनजाने में अपने पार्टनर के साथ माइक्रो चैटिंग कर रहा है। अगर आप भी इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार साबित होगा।

इन दिनों हर कोई अपना ज्यादातर समय घर से ज्यादा बाहर या ऑफिस में गुजार रहा है। ऐसे में जाने-अनजाने हम कई बार किसी दूसरे व्यक्ति के इतने करीब आ जाते हैं कि उससे अपने जीवन की सभी छोटी-बड़ी बातें डिस्कस करने लगते हैं। अगर आप भी किसी व्यक्ति के साथ इसी तरह की चीजें साझा कर रहे हैं, तो यह माइक्रो चीटिंग कहलाती है। माइक्रो चीटिंग की वजह से बना यह रिश्ता इमोशनल बॉन्डिंग से लेकर शारीरिक संबंधों तक पहुंच सकता है, जिसका असर आपके असल रिलेशन पर धीरे-धीरे नजर आने लगता है। अगर आपको भी अपने रिलेशन में यह संकेत नजर आ रहे हैं, तो

यह माइक्रो चीटिंग की सकती है-अगर आप एक रिश्ते में हैं और अचानक ही आपके और आपके पार्टनर के बीच झगड़े बढ़ते जा रहे हैं, तो यह माइक्रो चीटिंग की वजह से हो सकता है।

दरअसल, किसी अन्य से बढ़ती नजदीकियों की वजह से आप अपने कमिटेड पार्टनर से दूर होने लगते , जिसकी वजह से छोटी-छोटी बातों पर भी झगड़े होने लगते हैं। अगर आप अपने रिलेशन में माइक्रो चीटिंग की पहचान करना चाहते हैं तो इस का सबसे आसान तरीका है अपने पार्टनर की एक्टिविटी इस पर ध्यान देना। अगर आपका पार्टनर दिन भर चैट या कॉल पर बिजी रहता है, तो यह संकेत है कि वह आपके साथ माइक्रो चीटिंग कर रहा है। अगर आपका पार्टनर आपके साथ माइक्रो चीटिंग कर रहा है ,तो वह किसी भी खास इवेंट या जगह पर आपके साथ जाना पसंद नहीं करेगा। अगर आपका पार्टनर भी इन दिनों ऐसा ही कुछ कर रहा है, तो यह इशारा है कि उनकी नजदीकियां किसी और से बढ़ने लगी है और वह आपको धोखा दे रहे हैं।

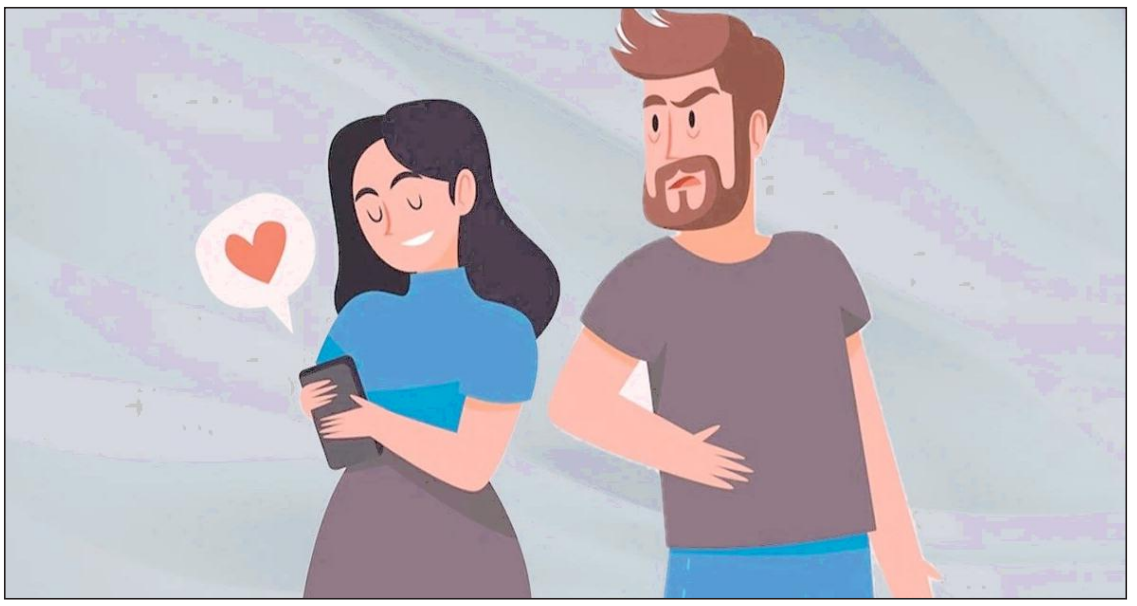

ऐसे लोग जो किसी रिलेशन में माइक्रो चैटिंग कर रहे होते हैं, वह अक्सर अपने एक्स को सोशल मीडिया पर स्टॉक करते हैं। इतना ही नहीं वह बार-बार उनसे संपर्क करने की भी कोशिश करते हैं। अगर आपका पार्टनर भी ऐसा ही कुछ कर रहा है, तो यह संकेत है कि वह अपने एक्स से अभी भी भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। अगर आप किसी रिश्ते में हैं और फिर भी आपके मोबाइल पर डेटिंग एप्स हैं, तो यह भी माइक्रो चीटिंग के संकेत हो सकते हैं। आमतौर पर कमिटमेंट के बाद लोग डेटिंग एप्स आदि से दूरी बना लेते हैं, लेकिन रिलेशन में होने के बाद भी इन एप्स का इस्तेमाल माइक्रो चीटिंग की तरफ इशारा करता है।

कलश यात्रा और श्रीमद्भागवत कथा से हुआ नए साल का आरम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गुवाहाटी/देहरादून, 2 जनवरी सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने गुवाहाटी में असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु की अध्यक्षता में आयोजित विद्यालयी शिक्षा विभाग की बैठक में प्रतिभाग किया। जहां पर उन्होंने असम की शिक्षा व्यवस्था को जाना साथ ही उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 के तहत किये गये कार्यों, स्थानांतरण नीति, छात्र एवं शिक्षकों की उपस्थित, आदर्श व मॉडल स्कूलों सहित विद्यालयी शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। डॉ. रावत के गुवाहाटी पहुंचने पर असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने अपने विभागीय उच्चाधिकारियों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।

असम के दो दिवसीय राजकीय भ्रमण के दौरान सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने गुवाहाटी पहुंच कर वहां के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु से मुलाकात की। इस दौरान डॉ. रावत ने वहां के शिक्षा मंत्री पेगु की अध्यक्षता में आयोजित विद्यालयी शिक्षा विभाग की बैठक में प्रतिभाग किया। शिक्षा विभाग असम के अधिकारियों ने बैठक में विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत असम सरकार द्वारा संचालित शिक्षा व्यवस्था व अन्य परियोजनाओं का प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में उपस्थित शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने नई शिक्षा नीति-2020 के तहत

स्कूलों में ऑनलाइन उपस्थिति के फार्मेट को बताया बेहतर

संचालित पाठ्यक्रमों, नवाचार, ऑनलाइन एजुकेशन, ऑनलाइन उपस्थिति, स्थानांतरण नीति सहित अनेक बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. रावत ने मीडया को जारी बयान में बताया कि असम सरकार वहां के भौगोलिक एवं समाजिक परिवेश के अनुरूप आदर्श व मॉडल विद्यालयों का संचालन कर रही है जोकि युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही उनके सर्वांगीण विकास में सहायक साबित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि असम सरकार ने चाय बागानों में कार्य करने वाले मजदूरों के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिये जगह-जगह बागान क्षेत्र में ही मॉडल स्कूलों की स्थापना की है जहां पर 12वीं तक की शिक्षा दी जाती है। इसी प्रकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आदर्श विद्यालयों की स्थापना की गई है जहां पर सीबीएससी बोर्ड के अंतर्गत अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कराई जाती है। डॉ. रावत ने कहा कि असम सरकार ने शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिये असम शिक्षा सेतु नाम से ऐप तैयार किया है जिसके माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति ली जाती है। जो कि बेहतर ढंग से कार्य कर रहा है। जरूरत पड़ी तो उत्तराखड में भी इस प्रणाली को लागू करने पर विचार किया जायेगा। बैठक में डॉ. रावत ने उत्तराखंड शिक्षा विभाग में नई शिक्षा नीति के तहत संचालित पाठ्यक्रमों, नवाचार, मॉडल क्लासेज व विद्या समीक्षा केन्द्र के संबंध में विस्तृत जानकारी दी, साथ ही उन्होंने असम के शिक्षा अधिकारियों को उत्तराखंड के विद्या समीक्षा केन्द्र व नई शिक्षा नीति के अध्ययन के लिये आमंत्रित किया ताकि असम सरकार भी यहां की बेहतर शिक्षा प्रणाली में से जरूरी योजनाओं का अपने यहां क्रियान्वयन कर सके। इस पूर्व गुवाहाटी पहुंचने पर असम के शिक्षा मंत्री सहित विभागीय अधिकारियों ने डा. रावत का जोरदार स्वागत किया।

बैठक में आयुक्त एवं परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा असम ओम प्रकाश, अपर सचिव व अपर परियोजना निदेशक संजय दत्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

साल के पहले दिन की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ

हल्द्वानी। नववर्ष 2024 के आगमन पर लोगों ने साल के पहले दिन सुबह-सुबह मंदिर, चर्च जाकर पूजा-अर्चना व प्रार्थनाएं कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। सोमवार को नववर्ष के पहले दिन सुबह से ही लोगों का धार्मिक स्थल पहुंचना शुरू हो गया था। रानीबाग स्थित शीतला माता मंदिर, जगदंबा मंदिर, कालूसिद्ध मंदिर, नैनीताल रोड स्थित मैथोडिस्ट व कैथोलिक चर्च सहित नगर के अन्य मंदिरों में बढ़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भगवान से परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने कोरोना के नए वेरिएंट के बढ़ते खतरे के खात्मे के लिए भी प्रार्थना की।

नासरो मंसूर गुरु गोबिंद सिंह, यजदी मंसूर गुरु गोबिंद सिंह

हल्द्वानी। सिखों के दसवे गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंघ जी के प्रकाश पुरब के उपलक्ष्य में आज पांचवी प्रभातफेरी गरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा से शुरू हुई। प्रभातफेरी नैनीताल रोड, तिकोनिया चौराहा, ठंडी सडक़, गोविंद पूरा, सुभाष नगर, आवास विकास चौराहा, श्री गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल होते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक पूरा पहुंची। लोगों ने आतिशबाजी व पुष्पवर्षा कर प्रभातफेरी का भव्य स्वागत किया। संगत ने कीर्तन दरबार में हाजिरी भरी और मुख्य ग्रंथी ने अरदास कर प्रभातफेरी का समापन किया। प्रभातफेरी में रंजीत सिंह, अमरजीत सिंह, नरेंद्रजीत सिंह, परमजीत सिंह, जसपाल सिंह, रविंदर पाल सिंह, तजिंदर सिंह, जसपाल सिंह, परविंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, त्रिलोक सिंह, अवनीत सिंह, चरनजीत सिंह, मनजिंदर सिंह, अमरजोत सिंह, हरमीत सिंह, अमनप्रीत सिंह, अमरीक सिंह, कुलवंत सिंह, हरप्रीत सिंह, मंजीत सिंह, गुरविंदर सिंह, सनप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह आदि ने सहयोग किया।

रोडवेज चालकों की शुरू की हड़ताल

हल्द्वानी। हिट एंड रन केस के किए जा रहे बदलावों के विरोध में राष्टीय हड़ताल के समर्थन में रोडवेज चालकों ने बसों के पहिए जाम कर दिए हैं। जिससे सैकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड रहा हैं। वरिष्ठ स्टेशन प्रभारी इंद्रा भट्ट ने बताया कि मैदानी क्षेत्रो के लिए सुबह भेजी गई आधा दर्जन बसे भी रास्ते मे विरोध किए जाने पर वापस लौट आई हैं ।

संपादकीय

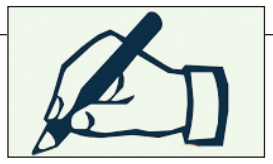

'कर्जदार' है नया साल

नए साल की शुभकामनाएं और समारोह एक घिसी-पिटी रवायत है, क्योंकि कुछ भी बदलने के आसार गायब रहते हैं। तनाव, उदासियों, नाकामियों, युद्ध जैसी विभीषिकाओं, संहार, सत्ताओं के लालच और स्वार्थ के माहौल में आम आदमी का कुछ भी संवरता हुआ दिखाई नहीं देता। एहसास तक नहीं होता। बस अस्तित्व जिंदा है, यही गनीमत है और नियति की मेहरबानी भी है। यह यथार्थ तब महसूस होता है, जब आम आदमी होश में होता है, अलबत्ता बाजार की ताकतों ने नए साल के रूप में उसे भ्रमित कर रखा है। आम आदमी इन्हीं संभावनाओं में बेहोश रहता है कि नया साल आया है, तो उसकी जिंदगी भी 'नई' होगी! बसंत की बहारें आएंगी और नया सफर सुखद होगा! हम नैराश्य और नकार की अवस्था में नहीं हैं। नए साल की नई हवाएं और शुभकामनाएं हम भी महसूस कर रहे हैं, लेकिन देश एक भारी कर्ज में जी रहा है, लिहाजा हम भी कर्जदार हैं। हम हैं, तो यह देश है। बेशक हम विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन हकीकत हमारी 140 करोड़ से अधिक आबादी के इर्द-गिर्द है। आर्थिक सच यह है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय 1,72,276 रुपए के करीब है और 5वीं अर्थव्यवस्था वाला देश, इस संदर्भ में, विश्व में 141वें स्थान पर है। इतना व्यापक विरोधाभास क्यों है? यदि देश की आर्थिक विकास दर लगातार 8 फीसदी या उससे अधिक बरकरार रहती, तो हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था कभी के बन चुके होते। आर्थिक विषमता का यथार्थ यह है कि 10 लाख रुपए से महंगी कारें खरीदने वालों की संख्या बढ़ रही है और आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें यह सुनिश्चित नहीं है कि नए साल में उनकी आमदनी बढ़ेगी अथवा घटेगी। आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले का अध्ययन आज भी कचोटता है कि 23.5 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी अक्षम हैं। सबसे भयावह यथार्थ तो यह है कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के स्वप्न देख रहा है, सत्ताएं डींगें हांक रही हैं और करीब 81 करोड़ लोगों को 'मुफ्त अनाज' बांटना पड़ रहा है। इस जमात में भी नए साल के आकर्षण और बधाइयां बांटी जा रही हैं। ऐसे नववर्ष के उल्लास मनाने के मायने क्या हैं? नए साल के सूर्योदय से पहले एक सर्वे सामने आया है, जिसके मुताबिक 600 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी कर्ज भारत पर है। औसतन प्रत्येक भारतीय पर 1.40 लाख रुपए का कर्ज है। जो आय है और जो कर्ज है, उसमें औसत भारतीय जीवन चलाए या नया साल गदगद होकर मनाए। उसी सर्वे के कारण ही तमाम आर्थिक संदर्भ उभर कर सामने आए हैं। न जाने क्यों आर्थिक ताकत और विश्व गुरु बनने के जुमले उछाले जा रहे हैं? सर्वे का निष्कर्ष यह है कि एक बार फिर आम चुनाव से पहले राष्ट्रवाद, अनुच्छेद 370, समान नागरिक संहिता और हिंदुत्व आदि की झलक दीखने लगी है। ये गूंजें सुनाई देने लगी हैं, क्योंकि व्यक्तिगत आर्थिक संकुचन के बावजूद 5वीं अर्थव्यवस्था, भारत वैश्विक ताकत के तौर पर और भारत सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं को 50 फीसदी से अधिक देश 'अहम उपलब्धियां' आंक रहा है। इन योजनाओं में पक्का घर, मुफ्त गैस सिलेंडर, नल में मुफ्त जल, मुफ्त शौचालय, मुद्रा ऋण आदि योजनाएं शामिल हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

चेस विनर बनकर सनान शेख ने किया उत्तराखंड का नाम रोशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 दिसंबर : सुबह स्कूल बस में बैठकर स्कूल पहुंचने के बाद क्लास में किताबों के साथ दिन बिताने वाले बच्चों के हाथों में शतरंज था. कोई किसी को 'शह-मात' दे रहा था तो कोई किसी को हराने में मशगूल था. कुछ ऐसा ही नजारा था THE DOON SCHOOL में, देहरादून THE DOON SCHOOL में चेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें 16 स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया. इस दौरान काफी संख्या में उनके पेरेंट्स भी पहुंचे थे. प्रतियोगिता के चलते लास्ट में 4 स्टूडेंट सलेक्ट हुए , चेस प्रतियोगिता चलते आखिर में दून इंटरनेशनल स्कूल के सनान शेख ने सबको चेस में मात देकर 1st runner up बने , इससे स्कूल के सभी बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला , सनान शेख जब ट्राफी जीत कर घर आया तो घर में ख़ुशी का माहौल था।

सनान की मम्मी आरजू शेख बताती है की सनान की कोई तयारी नहीं थी लेकिन फिर भी वो ट्रॉफी जीतकर लाया इससे घर वे रिश्तेदारों में ख़ुशी का माहौल है, सनान की मम्मी का कहना है की बच्चे मन के सच्चे होते है , बच्चो को हमेशा माँ बाप को सपोर्ट करना चाइये , बच्चो को समझना चाइए की बच्चा क्या चाहता है , क्या उसकी स्किल है, माता पिता जब बच्चो को सपोर्ट करेंगे तभी बच्चे का जो हुनर है वो बहार आएगा , तभी बच्चा अपने माता पिता और अपने देश का नाम रोशन करेंगे।

वही सनान शेख की खाला तसनीमा कौसर जो की दून महिला शक्ति ट्रस्ट की ऑनर है , उन्होंने बताया की सनान शेख दून इंटर नेशनल स्कूल का 12th का स्टूडेंट है , हमें ये बताते हुए बहुत प्राउड फील हो रहा है, की सनान शेख ने सबको चैस में मात देकर आल ओवर में फर्स्ट प्राइज का विंनर बना, आज इस देश को इसे ही बच्चों की ज़रूरत है, ऐसे बच्चों को आगे बढ़ाया जाए ताकि वो अपने देश का नाम रोशन कर सके , हम आशा करते है की सनान शेख अपनी पूरी लाइफ में अपने देश के लिए खेले और विजय हासिल करे, उत्तराखंड में लगातार चेस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले बच्चों की संख्या बढ़ रही है. इस तरह की स्टेट लेवल की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले बच्चे आगे चलकर चेस में अपना करियर बना सकते हैं. और नेशनल और इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकते हैं. और अपने देश का नाम रोशन कर सकते है।

नए साल पर टपकेश्वर में सुंदरकांड का पाठ

देहरादून। आंग्ल नववर्ष पर टपकेश्वर मंदिर प्रागंण में 17 वां संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ विश्व शांति, देश के चहुंमुखी विकास और उत्तराखंड की सुख शांति की मंगल कामना के साथ किया गया।

पौराणिक श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में पण्डित कमल जोशी और मण्डली ने आंग्ल नववर्ष पर 17 वां सामूहिक संगीतमय सुन्दर काण्ड का पाठ, भजन कीर्तन कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी श्रद्धालुओं से 22 जनवरी को अपने घरों में राम नाम के दीप जलाने के साथ साथ मन्दिरों, सार्वजनिक स्थलों में सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ, भजन कीर्तन, सुन्दर काण्ड पाठ, अखंड रामायण पाठ आदि करने का आह्वान किया। उन्होने कहा कि पांच शताब्दी के संघर्ष के बाद लाखों राम भक्तों के बलिदान और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से यह शुभ घड़ी आई है। वहीं पण्डित कमल जोशी ने सुमधुर भजनों के माध्यम से सभी भक्त झूम उठे। बाल तबला वादक निकुंज ध्यानी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महंत कृष्ण गिरी महाराज, पुजारी भरत गिरी महाराज, माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य डॉ. बिपिन जोशी, डॉ. मथुरा दत्त जोशी, ढोलक पर पवन शाह, तबले पर निकुंज ध्यानी, पेड़ पर जितेन्द्र पैन्यूली, की-बोर्ड पर रजनीश थपलियाल, गिटार पर ऋषभ, वायलिन पर महेश ढोंडियाल आदि का सहयोग रहा।

सशक्त भू कानून लागू करने की मांग

हल्द्वानी। राज्य में सशक्त भू कानून लागू करने की मांग के लिए यूकेडी ने एकदिवसीय धरना दिया। इस दौरान कहा कि राज्य बनने की इतने साल बाद भी पर्वतीय क्षेत्र में जमीन की लूट खसोट जारी है।

इसे रोकने के लिए जल्द से जल्द सशक्त भू कानून का निर्माण किया जाए। इस मौके पर सुशील उनियाल, दिनेश भट्ट, हरीश पांडे. नवनीत तिवारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नववर्ष के पहले दिन मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

देहरादून। नए साल के पहले दिन मंदिरों में श्रद्धालु उमड़ पड़े। कई जगह मंदिरों में कतारें लगी हुई थी। लोगों ने नए साल के संकल्प समेत परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

शहर के डाट काली मंदिर, टपकेश्वर समेत सभी प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ रहा। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालु पहुंच रहे थे। साल की शुरूआत अपने अपने आराध्य से मनोकामना मांगने समेत आध्यात्म की शरण में जाने वालों में युव वर्ग की तादाद भी काफी अधिक रही। इसके अलावा हर आयु वर्ग के महिला पुरूष श्रद्धालु भी मंदिरों में नजर आए। परिवार समेत लोगों ने मंदिर में दर्शन किए और इसके बाद घूमने निकल पड़े। कई स्थानों पर मंदिर में भंडारा प्रसाद की भी व्यवस्था थी। टपकेश्वर व डाट काली मंदिर, राजपुर रोड साईं मंदिर पहुंचने वालों की संख्या सर्वाधिक थी। डाट काली मंदिर के महंत रमन प्रसाद गोस्वामी ने बताया कि डाट काली मंदिर सिद्ध पीठ में विशेष मौकों पर भीड़ रहती ही है। नववर्ष से लोग अपने जीवन की नई शुरूआत करना चाहते हैं इसलिए वह मंदिर जैसी पवित्र जगहों पर भक्ति भावना के साथ आना पसंद करते हैं।

नववर्ष के प्रथम दिवस आर्शीवाद लेने मंदिर पहुंचे गणेश जोशी

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को नववर्ष के आगमन पर प्रथम दिवस शहर के प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन किये। मंदिरों में दर्शन के बाद काबीना मंत्री ने सभी को नववर्ष की मंगलकामनऐं दी और प्रदेश के कल्याण की कामना की। मंत्री गणेश जोशी डाट काली मंदिर, टपकेश्वर महादेव मंदिर, बाबा मानकसिद्ध मंदिर, जीएमएस रोड़ स्थित मां दुर्गा मंदिर, झण्डा साहेब, अनारवाला स्थित भद्रकाली मंदिर व आईटी पार्क के निकट प्राचीन काली माता मंदिर गये और आर्शीवाद लिया। उनके साथ पत्नी निर्मला जोशी भी उपस्थित रही।

सुनीता ठाकुर को हिरासत में लेने पर राज्य आंदोलनकारी भडक़े

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी सयुंक्त मंच के तत्वावधान में राज्य आंदोलनकारियों को राजकीय सेवाओं में 10त्न क्षैतिज आरक्षण बहाल करने व चिन्हीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने की मांग को लेकर आंदोलन के सातवें दिवस पुलिस प्रशासन ने सुबह आंदोलनकारी सुनीता ठाकुर को हिरासत में ले लिया। बाद में ऑफिसर इंचार्ज शालिनी नेगी के इस आश्वासन पर कि आंदोलनकारियों की वार्ता मुख्यमंत्री से करवाई जायेगी पर सुनीता ठाकुर ने आत्मदाह की जिद छोड़ दी, आंदोलनकारी उन्हें अपने साथ शहीद स्मारक ले आए जहां वे आमरण अनशन पर बैठ गई हैं। पुलिस ने आत्मदाह की चेतावनी देने वाली राज्य आंदोलनकारी सुनीता ठाकुर को दर्शनलाल चौक से हिरासत में ले लिया था। जिन्हें पहले धारा चौकी व बाद में कोतवाली और उसके भी बाद लक्ष्मणचौक पुलिस चौकी लाया गया। सुनीता ठाकुर ने इस तरह हिरासत में लेने का विरोध किया। सूचना मिलने पर अन्य राज्य आंदोलनकारी भी मौके पर पहुंच गए। आंदोलनकारियों का कहना था कि प्रशासन को सुनीता ठाकुर की बात सुनने के लिए शहीद स्मारक पर आना चाहिए। इस तरह से बीच सडक़ पर हिरासत में लेना सही तरीका नहीं है। वह संवैधानिक रुप ये आंदोलन कर रही हैं। राज्य आंदोलनकारी के तीव्र विरोध व सुनीता ठाकुर द्वारा आत्मदाह की जिद छोडने पर पुलिस को उन्हें छोडना पड़ा। जिसके बाद आंदोलनकारी नारेबाजी करते हुए शहीद स्मारक पहुंच गए। सुनीता ठाकुर ने यहां आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उनके समर्थन में उत्तरकाशी धनारी के बुजुर्ग आंदोलनकारी खुशपाल सिंह परमार ने भी अन्न जल त्यागने की घोषणा कर दी। उनका कहना था कि सरकार ज्यादा दिनों तक राज्य आंदोलनकारियों को बरगला नहीं सकेगी। उन्हें क्षैतिज आरक्षण व चिन्हीकरण पर स्थिति साफ करनी ही पड़ेगी। आंदोलनकारियों ने शहीद स्मारक पर सभा कर सुनीता ठाकुर को हिरासत में लेने की निंदा की। धरने में बैठने वालों में राम किशन, सुनीता ठाकुर, अंबुज शर्मा, सूर्यकांत शर्मा, सुरेश कुमार, सुरेंद्र पंवार, सरला शर्मा, जगदीश पन्त, कुन्ती शर्मा, किरण डोभाल, प्रदीप कुकरेती, लोक बहादुर थापा, सत्या पोखरियाल, शिव प्रसाद सेमवाल, राजेन्द्र पन्त, सुलोचना इष्टवाल, विपुल नौटियाल, मुन्नी खंडूड़ी, प्रभात डंडरियाल, रेखा शर्मा, अभिषेक बिष्ट, रामचन्द्र नौटियाल, मीरा गुसाईं, सरला शर्मा, नवनीत गुसाईं, प्रवीण पुरोहित आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में सामने आये कोरोना पॉजिटिव 2 मरीज

देहरादून के मैक्स व दून अस्पताल में भर्ती मरीजों में हुई कोविड-19 की पुष्टि, मरीज स्वस्थ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार ले रहे हैं फीडबैक, स्थिति पूर्णतया नियंत्रण में
- स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार बोले घबराने की आवश्यकता नहीं, आम जनता से सावधानी एवं सतर्कता बरतने की अपील

देहरादून , 2 जनवरी , उत्तराखंड में लंबे समय बाद कोरोना के 2 मामले सामने आये हैं। देहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती रहे 77 वर्षीय पुरुष की रिपोर्ट शनिवार को पॉजिटिव आई थी। वहीं, रविवार को 72 वर्ष की महिला मरीज की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कोविड के नए वेरिएंट जेएन.1 की पहचान के लिए दोनों संक्रमित मरीजों के सैंपल को जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा गया है।देहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती रहे 77 वर्षीय व्यक्ति में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई है। मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। मरीज पूर्व से ही कई अन्य बीमारियों से ग्रसित हैं। जिनका उपचार अस्पताल से चल है। मरीज के परिजनों के मुताबिक उनकी हालत स्थिर है। स्वास्थ्य में पहले के मुकाबले सुधार है। और वह घर पर ही होम आईशूलेशन में हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम मरीज के परिजनों के सम्पर्क में है और उनके स्वास्थ्य पर नज़रे बनाये हुए हैं।वहीं दून अस्पताल में भर्ती 72 वर्षीय महिला में भी कोविड की पुष्टि हुई है। महिला को दून अस्पताल के कोविड वार्ड में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों की टीम महिला के स्वास्थ्य पर नज़रें बनाई हुई है।सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ आर राजेश कुमार ने बताया की स्वास्थ्य विभाग की टीम दोनों रोगियों एवं उनके परिवारजनों से निरंतर संपर्क में है तथा चिंता का कोई विषय नहीं है।स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर कोविड प्रबंधन को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूर्ण रूप से तैयार है सभी जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों तथा चिकित्सा अधीक्षकों को चिकित्सालय स्तर पर कोविड के उपचार को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण रखने के निरंतर निर्देश दिए गए हैं तथा मॉक ड्रिल के माध्यम से तैयारी की निगरानी भी की जा रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी कोविड प्रबंधन को लगातार फीडबैक ले रहे हैं।स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम रोगी के निवास स्थान पर नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यवाही के लिए भेजी गई हैं। सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को कोविड प्रबंधन के लिए की जाने वाली किसी भी कार्यवाही में कोताही न बरतने के निर्देश दिए गए हैं।स्वास्थ्य सचिव द्वारा सर्दी के मौसम में आम जनमानस से कोविड एवं इन्फ्लूएंजा जैसे रोगों को लेकर सावधानी एवं सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

कलश यात्रा के साथ देवभूमि ब्राह्मण समिति की श्रीमदभागवत कथा का आगाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। अखिल भारतीय देवभूमि ब्राह्मण जन सेवा समिति द्वारा विश्व कल्याण की भावना से आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमदभागवत कथा की शुरूआत भव्य कलश यात्रा से हुई। 251 महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शोभायात्रा के रुप में शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची।

अखिल भारतीय देवभूमि ब्राह्मण जन सेवा समिति के सातवें वार्षिक उत्सव का आगाज शिवाजी धर्मशाला में कलश यात्रा से किया गया। पहले दिन के यजमान एमसी शर्मा के परिवार द्वारा मूल पूजा पंडित गोकर्ण शास्त्री, पंडित शुभम भारद्वाज ने करवाई। शोभायात्रा में सैकड़ों महिला व भक्त समूह 108 धर्म ध्वजा लेकर घोड़ा बग्गी, बैंड बाजे के साथ शामिल हुए। शोभायात्रा शिवाजी धर्मशाला से शुरू होकर मातावाला बाग, पटेलनगर, लालपुल, आदर्श मंदिर, विजय रतूड़ी मार्ग होते हुए गुरु रोड स्थित राज पैलेस कथा स्थल पहुंची। दोपहर में कथा के प्रथम दिवस यजमानों ने वृंदावन के आए कथा व्यास आचार्य शाश्वत भार्गव महाराज व आचार्यों का तिलक किया। शास्वत भार्गव ने भागवत कथा महात्म्य से कथा आरंभ की। अखिल भारतीय देवभूमि ब्राह्मण जन सेवा समिति केन्द्रीय अध्यक्ष अरुण शर्मा ने बताया कि कथा स्थल पर श्री राम जन्मोत्सव प्रसंग पर 496 घी के दीपक प्रज्वलित कर दीप उत्सव भी मनाया जाएगा। कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्म पर बालकृष्ण बनकर आने वाले बच्चों को उपहार दिए जाएंगे। इसके अलावा कथा आयोजन स्थल पर रचनात्मक कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए मेहंदी लगाने की व्यवस्था भी रहेगी। कथा में आने वालों से नित्य कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे। सही जवाब देने वालों को चांदी के सिक्के, फूड कूपन, कम्बल उपहार दिए जाएंगे। कथा में शैल शिखर सामाजिक संस्था, देवभूमि ब्राह्मण नारी शक्ति, श्री नर्वदेश्वर महादेव सेवा समिति, श्री आदर्श मंदिर देहरादून, द्वारका माई संगठन संजय कॉलोनी व श्री हरि कथा आयोजन समिति का सहयोग रहेगा। मौके पर सुभाष चंद्र सतपति, लालचंद शर्मा, रुचि शर्मा, सुशीला शर्मा, पद्मा रतूड़ी, रजत शर्मा, जय कुमार भारद्वाज, विद्या भारद्वाज, रचना शर्मा, अमिता शर्मा, आशीष कौशिक, अभिषेक भारद्वाज, वासु वशिष्ठ, अर्पित शर्मा, अनुराग गौड़, अंजली शर्मा, प्रिया पांडे, डिम्पल शर्मा, शालिनी गौड़, श्वेता शर्मा, लक्ष्मी कौल, देवाशीष गौड़, राज गीता शर्मा मौजूद रहे।

यूकेडी ने की मूल निवास 1950 लागू करने की मांग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल ने 2000 से ही मूल निवास 1950 लागू करने की मांग की है। सोमवार को यूकेडी महानगर ने इसके लिए दीन दयाल पार्क में धरना दिया।

इस दौरान दल के संरक्षक एनपी जुयाल ने कहा कि उत्तराखंड में 2000 से पूर्व मूल निवास प्रमाण पत्र मिलता था। लेकिन 2001 के बाद नई सरकार ने नई निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था बनाकर यहां पर स्थाई निवास प्रमाण पत्र दिया जाने लगा । इस व्यवस्था से बाहर से आने वाले लोगों तथा मूल निवासियों को एक ही श्रेणी में रखा गया। जिससे मूल निवासियों के हक में होने वाली नौकरियां एवं अन्य योजनाओं का लाभ राज्य से बाहर के लोग उठने लगे हैं। जबकि राज्य का मूल निवासी ठगा महसूस करने लगा है। दल के केंद्रीय महामंत्री विजय बौड़ाई ने कहा कि मूल निवासियों की कई पीढियां यहां निवास कर करती आ रही हैं। इसके बाद भी उन्हें मूल निवास नहीं मिल रहा है। जिससे उत्तराखंड के बच्चों को अपना अधिकार नहीं मिल रहा है,अपने ही राज्य में उनकी पहचान पर संकट हो गया है।

केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रमीला रावत ने कहा कि मूल निवासियों को रोजगार, शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, वाणिज्यिक उद्योगों तथा राज्य की सभी योजनाओं एवं नीतियों का लाभ मिल सके इसलिए मूल निवास 1950 लागू किया जाना अति आवश्यक है। युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने कहा कि देश के संविधान लागू होने के साथ वर्ष 1950में जो व्यक्ति जिस राज्य का निवासी था ,वो उसी राज्य का मूल निवासी होगा।

इस दौरान सैनिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष चंद्रमोहन सिंह गडिया,केंद्रीय कोषाध्यक्ष प्रताप कुंवर,एपी जुयाल,जयप्रकाश उपाध्याय, प्रमिला रावत, प्रताप कुंवर, विजय बौड़ाई,पूर्व प्रमुख जयपाल सिंह पंवार , शांति प्रसाद भट्ट,अशोक नेगी, राजेन्द्र सिंह बिष्ट,गीता बिष्ट, जबर सिंह पावेल,अनिल थपलियाल, प्रीति थपलियाल, आशा शर्मा,राजेश्वरी रावत,विपिन रावत,बृजमोहन सजवान, चंद्रमोहन गाडिया,धर्मवीर नेगी,राजेंद्रप्रधान, दीपक रावत,देव चंद उत्तराखंडी, , रविंद्र ममगाई, तरुणा जगुड़ी, सरोज कश्यप,कुसुम देवी, रामपाल, राजेश ध्यानी, डीडी पंत,दिनेश प्रसाद सेमवाल,योगी पंवारआदि मौजूद रहे।

जमीन खरीद पर रोक सख्त भू कानून की दिशा में प्रभावी कदम : महेंद्र भट्ट

देहरादून। भाजपा ने कृषि भूमि पर बाहरी लोगों की खरीद पर लगाई रोक को सख्त भू कानून की दिशा में प्रभावी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस संदर्भ में जनभावना के अनुरूप सख्त कानून लाने जा रही है।

सोमवार को मीडिया को जारी बयान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर सरकार की ओर से लिया गया यह निर्णय राज्यवासियों की भावनाओं का सम्मान है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सख्त भू कानून के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि समाज के बीच से आने वाले विषयों को वह गंभीरता से लेकर तत्काल उचित एवं प्रभावी कदम उठाते हैं। इससे पूर्व भी सख्त भू कानून निर्माण की दिशा में पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता ने उच्च स्तरीय समिति गठन की गई थी। जिसकी रिपोर्ट को वरिष्ठ अधिकारियों वाली प्रारूप समिति संवैधानिक, तकनीकी एवं कानूनी पहलुओं की कसौटी पर परख रही है। इसी तरह कृषि भूमि की खरीद में आ रही गड़बडियों के संज्ञान में आते ही मुख्यमंत्री ने पहले इन पर जिलाधिकारी की रिपोर्ट जरूरी कर दी थी। लेकिन अब चूंकि भू कानून को लेकर प्रक्रिया निर्णायक दौर में है ऐसे में राज्य से बाहरी लोगों की खरीद पर पाबंदी सही और लोगों की शंकाओं को दूर करने वाला कदम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार मूल निवास और भू कानून के विषय पर गंभीर है और जल्द ही इसके निर्णायक समाधान की दिशा में काम कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

प्रेमनगर सनातन धर्म मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

देहरादून। श्री सनातन धर्म मंदिर प्रेम नगर में नव वर्ष शुभारंभ पर पुजारी कृष्ण प्रसाद ने हवन यज्ञ कर गणपति भगवान शिव पार्वती की पूजा अर्चना की। राम नाम के पाठ के साथ प्रदेश की खुशहाली की कामना की गई। नव वर्ष शुभारंभ पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर सुख शांति सुख समृद्धि की प्रार्थना की। अंत में आरती हुई। इस मौके पर प्रधान सुभाष माकिन, मनोज बहल, रवि भाटिया, टोनी भाटिया, राजीव पुंज, विनोद कुमार, राहुल तलवार, अवतार किशन कौल, कुलदीप नरूला, संगीता भाटिया मौजूद रहे।

कृषि भूमि की खरीद पर रोक का निर्णय ध्यान भटकाने का हथकंडा:डिमरी

देहरादून। मूल निवास भू कानून समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि प्रदेश में बाहरी व्यक्तियों द्वारा कृषि योग्य भूमि की खरीद पर रोक लगाने का निर्णय मूल निवास और मजबूत भू-कानून की मांग से ध्यान हटाने का हथकंडा है।

डिमरी ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अग्रिम आदेशों तक बाहरी व्यक्तियों के कृषि तथा उद्यानिकी के उपयोग के लिए भूमि खरीद पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। सरकार और सत्ताधारी दल इस फैसले को राज्य हित में लिया गया बड़ा निर्णय बता रहे हैं, लेकिन समिति का सवाल यह है कि बाहरी और मूल निवासी की परिभाषा तय किए बिना सरकार ऐसा भ्रामक आदेश जारी कर जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि संघर्ष समिति की मांग है कि सरकार सबसे पहले मूल निवास को लेकर स्थिति स्पष्ट करे। एक और सवाल यह है कि ये रोक केवल 'अस्थाई' है, जिसे सरकार किसी भी दिन गुपचुप तरीके से वापस ले लेगी। कहा कि भू-कानून को लेकर पूर्व में जो राज्य विरोधी निर्णय लिए गए, उन्हें सबसे पहले वापस लिया जाए। डिमरी ने कहा कि कितनी हस्यास्पद बात है कि एक तरफ सरकार ने प्रदेश में जमीन खरीदने के बाद उसके लैंड यूज में बदलाव की अनिवार्यता को खत्म कर दिया और अब सरकार कृषि भूमि पर खरीद पर रोक लगाने के निर्णय का दिखावा कर रही है। इस प्रपंच को प्रदेश की जनता अच्छी तरह समझ रही है।

कॉमरेड सफदर हाश्मी को किया याद

देहरादून। कामरेड सफदर हाशमी को शहादत दिवस पर सोमवार को याद किया गया। इस दौरान गांधी पार्क में एसएफआई,जन संवाद और भारत ज्ञान विज्ञान समिति की ओर से संगोष्ठी व जनगीतों की प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम वरिष्ठ माकपा नेता सुरेन्द्र सिंह सजवाण की अध्यक्षता में शुरू हुआ। मुख्य वक्ता डीएवी महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ राजेश पाल ने अभिव्यक्ति की आजादी व हमारा संविधान विषय पर संक्षेप में बात रखी। उन्होंने सत्ता की शक्ति का दुरुपयोग करने की बात कही। उन्होंने अभिव्यक्ति के अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि वर्तमान में लोकतंत्र पर बड़ा हमला किया जा रहा है। भारत ज्ञान विज्ञान समिति के कमलेश खंतवाल ने सफ़दर हाशमी के संघर्षो के बारे में बताया। इसके बाद जनसंवाद समिति के सतीश धौलाखंडी के जनगीतों का मंचन किया गया । इस अवसर पर पपेट कलाकर राम लाल भट्ट , सामाजिक कार्यकर्ता त्रिलोचन भट्ट, सीटू प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र नेगी ,एसएफ़आई प्रदेश अध्यक्ष नितिन मलेठा, राज्य सचिव हिमांशु चौहान, इंदु नौडियाल, गीता गैरोला, इंद्रेश मैखुरी, इंद्रेश नौटियाल ,शालिनी परमार, कनिका, सवि, आकाश , सुरेंद्र रावत,अनुप सालू ,शैलेन्द्र ,रामसिंह ?,विनोद ?,गणेश ,आदि लोग मौजूद रहे ।

महिला कांग्रेस का लापता अंकित सकलानी की वापसी को प्रदर्शन

देहरादून। महिला कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने शिप कंपनी में कार्यरत नेहरू ग्राम, देहरादून निवासी अंकित सकलानी की सकुशल वापसी की मांग की। प्रदेश महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल की अगुवाई में महिला कांग्रेस ने क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में प्रदर्शन किया। साथ ही विदेश मंत्री को ज्ञापन भी भेजा। आशा मनोरम डोबरियाल के मुताबिक अंकित सकलानी एक दिसंबर से ही शिप कंपनी में सेवा देना आरंभ की थी। इस बीच कंपनी की ओर से परिजनों को सूचना दी गई कि अंकित ने शिप से समुद्र में छलांग लगा दी। साथ ही अब कंपनी की ओर से कहा जा रहा है कि डेड बॉडी भी प्राप्त हो गई है। लेकिन परिजन कंपनी के दावों पर विश्वास करने को तैयार नहीं है। उन्होंने अंकित के लापता होने की जांच करने के साथ ही विदेश में स्थित भारतीय दूतावास से हस्तक्षेप करने की मांग की। साथ ही इस मामले के कंपनी का स्पष्टीकरण भी लिया जाए। महिला कांग्रेस की ओर से आरोप लगाया कि अभी तक भारतीय दूतावास और विदेश विभाग के अधिकारियों की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। महिला कांग्रेस ने विदेश मंत्री के नाम क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी विनय शंकर पांडे को ज्ञापन भी सौंपा।